।। अर्हम् ।।

श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, सूरत

तेरापंथ भवन, सिटीलाइट, सूरत – 395 007

फोन : – (0261) 3042374 फैक्स : 2256566

सभा की 35 वीं वार्षिक साधारण सभा की सूचना

मान्यवर,
सम्मानीय सदस्य,
सादर जय जिनेन्द्र।

श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, सूरत की 35 वीं वार्षिक साधारण सभा, (वर्ष 2015–2016) दिनांक 26.06.2016, रविवार को दोपहर 02:30 बजे शुभम् हॉल, तेरापंथ भवन, सिटीलाइट में आयोजित होगी। जिसमें निम्नलिखित विषयों पर विचार विमर्श किया जायेगा।

विषय :

1. सभा की 34 वीं वार्षिक सभा की कार्यवाही का पठन एवम् स्वीकृति।
2. सभा के 35 वें वार्षिक मंत्री प्रतिवेदन की प्रस्तुति एवम् स्वीकृति ।
3. सभा के हिसाब परीक्षक द्वारा अंकेक्षित दि. 01.04.15 से दि. 31.03.16 तक के आय–व्यय लेखा की प्रस्तुति एवम् स्वीकृति।
4. आगामी वर्ष 2016–2017 हेतु अंकेक्षक की नियुक्ति।
5. वर्ष 2016–2017 के लिए नवनिर्वाचित /नवमनोनीत कार्यकारिणी समिति के सदस्यों की घोषणा।
6. अन्य अध्यक्ष महोदय की अनुमति से।

विशेष :

वार्षिक साधारण सभा में किसी भी सदस्य की कोई भी जिज्ञासा अथवा सुझाव हो तो उन्हें लिखित रूप में वार्षिक सभा की आयोजन तारीख से 3 दिन पूर्व कार्यालय में भिजवाएँ, ताकि उनके द्वारा प्रस्तुत जिज्ञासा या सुझाव का समाधान व्यवस्थित रूप से दिया जा सके।

कोरम के अभाव में आधा घण्टा के पश्चात् उसी स्थान पर मीटिंग आयोजित होगी।

संलग्न :

1. वर्ष 2015–2016 के अंकेक्षित आय–व्यय का विवरण।
2. कार्यकारिणी समिति के सदस्यों का चुनाव कार्यक्रम।

निवेदन : सभी सदस्यों की उपस्थिति सादर प्रार्थित है।

निवेदक

(विनोद कुमार कोचर)
मंत्री

दिनांक : 26.05.2016

।। अर्हम् ।।

श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, सूरत

वर्ष 2016-17 हेतु कार्यसमिति सदस्यों के चुनाव कार्यक्रम की सूचना

मान्यवर,

सादर जय जिनेन्द्र।

श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, सूरत के संविधान की धारा 12 (4) के अनुसार विभिन्न श्रेणी में से निर्वाचीत/मनोनीत निम्नांकित सदस्य सभा की कार्यकारिणी समिति वर्ष 2015-2016 से निवृत्त हुए हैं।

विशिष्ट श्रेणी	सहायक श्रेणी	आजीवन श्रेणी
1. श्री अनिल बोथरा	1. श्री छगनलाल छोगालाल जैन	1. श्री अनिलकुमार समदड़िया
2. श्री मीठालाल नान्द्रेचा	2. श्री गौतमचंद मांगीलाल चोपड़ा	2. श्री माणकचंद हंसराज डागा
3. श्री प्रकाश पोरवाल	3. श्री मिलापचंद मालू	3. श्री निर्मल नाहटा

उपरोक्त सभी श्रेणी के निवृत्त सदस्य चुनाव में पुन: भाग ले सकते हैं। वर्ष 2016-2017 के लिए विशिष्ट, सहायक तथा आजीवन श्रेणी के लिए 3-3 सदस्यों का चुनाव कार्यक्रम निम्न अनुसार है।

चुनाव कार्यक्रम

1. **नामांकन पत्र भरने की तारीख : दि. :** 19.06.16 से दि. 21.06.16, **समय** प्रात: 10:00 से सायं 05:00 बजे तक।
2. **चुनाव अधिकारी द्वारा नामांकन पत्र जांच करने की तारीख :** दि. 22.06.16,बुधवार, समय प्रात: 10:00 बजे।
3. **चुनाव अधिकारी द्वारा स्वीकृत नामांकन पत्रक के उम्मीदवारों के नामों की सूची प्रकाशित करने की तारीख:** दि. 22.06.16, बुधवार, **समय :** सायं 05:00 बजे।
4. **नामांकन पत्र वापस लेने की अंतिम तारीख:** दि. 23.06.16, बृहस्पतिवार, सायं 04:00 बजे तक।
5. **श्रेणीबद्ध उम्मीदवारों के नामों की सूचि प्रकाशित करने की तारीख:** दि. 23.06.16, **समय :** सायं 05:00 बजे।
6. **अगर चुनाव अनिवार्य होगा तो मतदान तारीख:** दि. 26.06.16 , रविवार, समय : प्रात: 10:00 बजे से मध्याह्न् 02:00 बजे तक। स्थान: मैत्री हॉल, तेरापंथ भवन, सिटीलाइट, सूरत
7. **उम्मीदवार अपना नामांकन पत्र स्वयं कार्यालय से प्राप्त कर स्वयं जमा करायें।**

अर्हताएँ :

नामांकन पत्र भरने वाले सदस्य नशामुक्त हो।

नामांकन पत्र भरने वाले सदस्य अपने समय का सम्यक् नियोजन संघीय एवं संस्था की गतिविधियों के लिए आवश्यक रूप से करें।

नामांकन पत्र भरने वाले सदस्य वर्ष भर में चारित्रात्माओं के विहार के दौरान रास्ते की सेवा में दो दिन अवश्य नियोजित करें।

विशेष :

- मतदान की स्थिति में प्रत्येक सदस्यों को फोटो पहचान पत्र (पान कार्ड, आधार कार्ड, ड्राईवींग लाइसेन्स, तेरापंथ सभा, सूरत सदस्यता पहचान पत्र या अन्य कोई भी फोटो पहचान पत्र) लाना अनिवार्य है।
- संविधान के नियम 12 (7) के अन्तर्गत प्रत्येक श्रेणी के सदस्य अपनी श्रेणी में से कोई भी तीन सदस्यों का चुनाव कार्यकारिणी समिति के लिए करेंगे। श्रेणी अनुसार किसी भी तीन उम्मीदवारों को मत देना अनिवार्य होगा।
- संविधान के नियम 12 (5) के अनुसार कार्य समिति में दि. 31.03.16 तक स्वीकृत सदस्यता आवेदन पत्र वाले सदस्य ही मतदान कर सकेंगे।

कार्यकारिणी समिति की दि.07.05.2016 को आयोजित मीटिंग में जिसमें प्रस्ताव संख्या 04 के अन्तर्गत कार्यकारिणी समिति ने चुनाव प्रक्रिया संचालित करने के लिए तीन सदस्यों की एक चुनाव समिति का गठन संविधान की धारा 12 (3) के अन्तर्गत किया, जो निम्न प्रकार है।

- मुख्य चुनाव अधिकारी : श्री हरीश जैन
- सहायक चुनाव अधिकारी : श्री प्रमोद बोथरा, श्री अर्जुनलाल मेड़तवाल

निवेदक

(विनोद कुमार कोचर)
मंत्री

दिनांक : 26.05.2016

।। अर्हम् ।।

श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, सूरत

कार्यकारिणी समिति की आयोजित सभा में उपस्थित सदस्यों की सूची (वर्ष 2015-2016)

श्री बाबूलाल भोगर	**मुख्य ट्रस्टी, पदेन सदस्य**
श्री भारत भूषण जैन	**सहायक ट्रस्टी, पदेन सदस्य**

क्रमांक	नाम	सभा आयोजन की दिनांक एवम् उपस्थित सदस्यों की सूची					
		02-07-15	06-08-15	03-10-15	21-01-16	29-03-16	07-05-16
01.	श्री मीठालाल हीरालाल नान्द्रेचा	P	P	P	P	P	P
02.	श्री गौतमचंद मांगीलाल चोपड़ा	P	P	P	P	L	P
03.	श्री विनोद कुमार कोचर	P	P	P	P	P	P
04.	श्री श्यामलाल पुनमिया	P	P	P	A	P	P
05.	श्री राकेश वी. चोरड़िया	P	P	P	P	P	P
06.	श्री भीखमचंद भूरीलाल भोगर	A	A	L	A	A	P
07.	श्री देवीलाल अम्बालाल बोराणा	P	A	A	P	A	A
08.	श्री दिलीप कुमार मालचंद कोचर	P	P	P	A	P	P
09.	श्री ललितकुमार खोखावत	P	P	P	A	P	L
10.	श्री टेकचंद छगनलाल ढालावत	P	A	P	A	A	A
11.	श्री प्रकाश मोतीलाल जैन	P	L	A	L	P	A
12.	श्री अनिलकुमार बोथरा	P	P	A	P	A	P
13.	श्री छगनलाल छोगालाल जैन	P	P	P	A	P	P
14.	श्री दिलीपकुमार जे. गोठी	P	P	A	P	P	P
15.	श्री फूलचंद नान्द्रेचा	P	P	P	P	P	P
16	श्री जितेन्द्रकुमार खुमाणिंग तलेसरा	P	P	P	A	P	A
17.	श्री कुंदनमल तलेसरा	P	P	P	A	P	P
18.	श्री मुकेशकुमार मोतीलाल घाटावत	P	P	A	L	A	A
19.	श्री मिलापचंद मालू	P	P	P	A	A	A
20.	श्री अनिलकुमार समदड़िया	P	L	P	P	P	P
21.	श्री माणकचंद हंसराज डागा	P	P	A	A	L	A
22.	श्री महेन्द्र भीकचंद गांधी मेहता	P	P	A	P	P	P
23.	श्री निर्मल नाहटा	P	P	P	A	P	A
24.	श्री प्रदीप कुमार बैद	P	P	P	A	P	P
25.	श्री प्यारचंद बी. मेहता	P	L	P	A	P	P
26.	श्री पुनमचंद गुलगुलिया	P	P	P	A	A	L
27.	श्री सुरेन्द्रकुमार एस. बोथरा	P	P	A	P	A	P
28.	श्री सोहनलाल चोपड़ा	A	P	A	A	A	A
29.	श्री मीठालाल भोगर	A	L	A	P	P	P
30.	श्री हुकमीचंद भंसाली	A	P	P	A	P	P
31.	श्री धीरजभाई संघवी	A	P	P	P	L	A

अध्यक्ष की कलम से . . .

आराध्य देव को वंदन। परम पूज्य आचार्य श्री महाश्रमणजी, साध्वी प्रमुखा श्री कनकप्रभाजी एवं मंत्री मुनि के श्री चरणों में सभक्ति वंदना। सूरत में चातुर्मास परिसम्पन्न कर अहमदाबाद में विराजित साध्वी श्री साधनाश्रीजी, साध्वी श्री विमलप्रभाजी, साध्वी श्री सन्मतिश्रीजी एवं साध्वी श्री जागृतयशाजी तथा सूरत में विराजित साध्वी श्री कैलाशवतीजी, साध्वी श्री ललिताश्रीजी, साध्वी श्री पंकजश्रीजी, साध्वी श्री शारदाप्रभाजी, साध्वी श्री सम्यकत्वयशाजी एवं समस्त चारित्रात्माओं के चरणों में नमन। शेषकाल में पधारे हुए चारित्रात्माएं साध्वी श्री लब्धीश्रीजी ठाणा-३, साध्वी कनकश्रीजी ठाणा-६, मुनि जिनेशकुमारजी ठाणा-२ रास्ते की सेवा एवम् उपासना का सुअवसर प्राप्त हुआ।

श्रावक समाज को सादर नमन करता हुआ धन्यवाद देना चाहता हूँ कि आपने मुझे सूरत जैसी विशाल सभा का नेतृत्व करने का सौभाग्य प्रदान करवाया। अल्प समय में मेरे से जितना हो सका धर्म संघ की सच्ची सेवा करने का प्रयास किया। मेनेजिंग ट्रस्टी श्री बाबुलालजी भोगर, सह मेनेजिंग श्री भारत भूषणजी जैन एवं ट्रस्ट बोर्ड, मेरे साथी पदाधिकारी श्री गौतम चौपड़ा, श्री विनोद कोचर, श्री श्यामलाल पुनमिया एवं श्री राकेश चोरड़िया, कार्यकारिणी के सदस्यगण, श्री भरतभाई एवं ऑफिस स्टाफ व भवन के कर्मचारी से पूर्ण सहयोग कार्यकाल के दौरान प्राप्त हुआ। धर्म संघ की सभी संस्थाएँ तेरापंथ युवक परिषद्, तेरापंथ महिला मंडल, अणुव्रत समिति, जीवन विज्ञान एकादमी, तेरापंथ किशोर मंडल, कन्या मंडल, विभिन्न समितियों के प्रभारी एवम सह प्रभारियों से कार्यकाल के दौरान पूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ। सभी के प्रति आभार। मेरे पिता स्व. श्री हीरालालजी, मातुश्री पानीबाई के आशीर्वाद से, मेरी धर्म पत्नि पुष्पा, पुत्र लोकेश, किरण एवं पुत्रवधु लीना, रिंकु एवं पूरे परिवार के पूर्ण सहयोग से यह कार्य कर पाया।

कार्य करते समय गलती होना स्वभाविक हैं। मेरे कार्यकाल में मुझसे या मेरे साथी पदाधिकारियों, कार्यकारिणी सदस्यों, ऑफिस स्टाफ, भवन स्टाफ एवं कर्मचारी से कोई भी गलती हुई हो तो मैं मेरी नैतिक जिम्मेदारी समझता हुआ श्रावक समाज से अत:करण से क्षमा चाहता हूँ।

आपका

(मीठालाल नान्द्रेचा)

अध्यक्ष

मैनेजिंग ट्रस्टी की कलम से . . .

परम पूज्य महातपस्वी आचार्य श्री महाश्रमणजी, साध्वी प्रमुखा श्री कनकप्रभाजी के श्री चरणों में श्रद्धासिक्त वंदना। सूरत में विराजित साध्वी श्री कैलाशवतीजी आदि ठाणा–5 एवम् समस्त चारित्रात्माओं को सादर वंदन।

पूज्य आचार्य प्रवर की कृपादृष्टि सूरत क्षेत्र एवम् सूरत श्रावक समाज पर सदैव रही है। सूरत के श्रद्धाशील एवम् समर्पित श्रावक समाज ने ट्रस्टबोर्ड के सर्वोच्च पद का दायित्व लगातार दूसरी बार मुझे सौंपा एतदर्थ आभार। मेरे कार्यकाल में ट्रस्ट बोर्ड निरन्तर भवन के रख रखाव एवम् समाज की आध्यात्मिक, सामाजिक प्रवृतियों के विकास के लिए प्रयत्नशील रहा। विशेष रूप से शिक्षा, चिकित्सा व संपोषण का कार्य प्रमुखता से हुआ।

मेरे पूरे कार्यकाल में सह मेनेजिंग ट्रस्टी श्री भारतभूषणजी जैन का सहयोग निरंतर मिलता रहा। साथ ही इस वर्ष सभाध्यक्ष श्री मीठालालजी नान्द्रेचा, उपाध्यक्ष श्री गौतम चौपड़ा, मंत्री श्री विनोद कोचर, सहमंत्री श्री श्यामलाल पुनमिया एवं कोषाध्यक्ष श्री राकेश चोरड़िया का अपेक्षित सहयोग सदैव प्राप्त हुआ। तेरापंथ सभा के सभी पदाधिकारियों एवम् कार्य समिति सदस्यों से उनके द्वारा मिले सराहनीय सहयोग के प्रति हार्दिक आभार। तेरापंथ युवक परिषद्, तेरापंथ महिला मंडल एवम् अन्य सभी संघीय संस्थाओं के पदाधिकारीगण एवम् समस्त सूरत श्रावक समाज का सहयोग भी समय–समय पर मिलता रहा। हार्दिक कृतज्ञता एवम् आभार।

सभा कार्यालय में कार्यरत श्री भरतभाई शाह एवम् अन्य सभी स्टाफ का भी सराहनीय सहयोग रहा।

मैं इस अवसर पर पूज्यप्रवर एवम् सभी चारित्रात्माओं, समस्त श्रावक समाज, तेरापंथी सभा, सूरत एवम् अन्य सभी संस्थाओं के पदाधिकारियों, कार्यसमिति सदस्यगण से हुई प्रत्यक्ष एवम् परोक्ष भूलों के लिए हार्दिक क्षमायाचना करता हूँ।

आपका

(बाबुलाल भोगर)

मैंनेजिंग ट्रस्टी

श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, सूरत की 35 वीं वार्षिक साधारण सभा पर प्रस्तुत मंत्री प्रतिवेदन

परम पावन परमेष्ठी पंचक को श्रद्धायुक्त वंदन। महातपस्वी, तेरापंथ धर्म संघ के एकादशम अधिशास्ता आचार्य श्री महाश्रमणजी के चरण कमलों में सविनय सभक्ति सविधि सादर वंदना। संघ महानिदेशिका मातृहृदया साध्वी प्रमुखा श्री कनकप्रभाजी, मंत्री मुनि श्री सुमेरमलजी (लाडनूँ), सूरत में विराजित साध्वी श्री कैलाशवतीजी आदि ठाणा-5, साध्वी श्री निर्वाण श्रीजी आदि ठाणा-6 एवं समस्त चारित्रात्माओं को सविनय सविधि वंदन।

आदरणीय मेनेजिंग ट्रस्टी श्रीमान बाबुलाल भोगर, सह मेनेजिंग ट्रस्टी श्रीमान भारतभूषण जैन, श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, सूरत के अध्यक्ष श्री मीठालाल नान्द्रेचा, उपाध्यक्ष श्री गौतम चौपड़ा, सहमंत्री श्री श्यामलाल पूनमीया, कोषाध्यक्ष श्री राकेश चोरड़िया, महासभा के कार्यसमिति सदस्यगण, सूरत सभा के कार्यसमिति सदस्यगण, अन्य विविध संस्थाओं के पदाधिकारीगण एवं उपस्थित तेरापंथी सभा परिवार। सभी को सादर प्रणाम, सादर जय जिनेन्द्र।

श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ सभा, सूरत की 35वीं वार्षिक साधारण सभा में उपस्थित आप सभी महानुभावों का हार्दिक स्वागत अभिनंदन तथा सूरत सभा द्वारा संचालित एवं सम्पादित प्रवृतियों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत करते हुए मुझे सात्विक गौरव एवं प्रसन्नता की अनुभूति हो रही है।

समीक्षाधीन वर्ष में अनेक चारित्रात्माएं संयम यात्रा सम्पन्न कर पंडित मरण को प्राप्त किया। सभी आत्माओं के उत्तरोत्तर आध्यात्मिक विकास की मंगलकामना। समाज भूषण, भारती भूषण, वरिष्ठ श्रावक श्रीमान खेमचंदजी सेठिया तेरापंथ विकास परिषद् के सदस्य शासन सेवी श्री मूलचंद बोथरा का देहावसान हुआ। विगत वर्ष में सूरत में प्रवासित अनेक श्रावक/श्राविकाएँ दिवंगत हुए। सभी दिवंगत आत्माओं को सादर श्रद्धांजलि समर्पित करते हुए उनके भावि आध्यात्मिक विकास की मंगलकामना करता हूँ।

आचार्य तुलसी महाप्रयाण दिवस

आचार्य श्री महाश्रमणजी की सुशिष्या साध्वी श्री साधनाश्रीजी के सान्निध्य में गणाधिपति गुरुदेव श्री तुलसी का 19 वाँ महाप्रयाण दिवस दि. 07.07.15 को अडाजण में आयोजित किया गया।

साध्वी श्री साधनाश्रीजी ने आचार्य श्री तुलसी को शक्ति, भक्ति व अनुरक्ति का सूत्रधार बताया। आप मानव जाति के कल्याण के लिए अणुव्रत, प्रेक्षाध्यान व जीवन विज्ञान जैसे अवदानो के द्वारा "तिन्नाणं तारयाणं" के सूत्र को शत प्रतिशत चरितार्थ करने वाले विराट व्यक्तित्व के धनी थे।

मंगलाचरण सुश्री निहारिका सिंघी ने तुलसी अष्टकम् द्वारा किया। नव चयनित सूरत सभा के मंत्री श्री विनोद कोचर, तेयुप मंत्री पवन फुलफगर, ते.म.मं. मंत्री श्रीमती सुनिता सुराणा तथा अडाजण श्रावक समाज की तरफ से श्री भरत पित्तलिया ने वक्तव्य के द्वारा अपनी भावनाएँ प्रस्तुत की। अडाजण ज्ञानशाला के प्रशिक्षक व ज्ञानार्थियों ने आचार्य तुलसी जीवन झांकी की शानदार प्रस्तुति दी। मुमुक्षु नेहा, मुमुक्षु धरती व मुमुक्षु खुशबु ने श्रद्धांजली संवाद के माध्यम से प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का सम्यक संचालन साध्वी श्री जागृतयशा ने किया।

साध्वीश्रीजी की प्रेरणा से ढाई सौ प्रत्याख्यान का अनुष्ठान रखा गया। जिसमें लगभग 450 श्रावक-श्राविकाओं ने भाग लिया।

आचार्य श्री महाप्रज्ञ जन्म दिवस

साध्वी श्री साधनाश्रीजी के सान्निध्य में प्रेक्षा प्रणेता आचार्य श्री महाप्रज्ञजी का 96 वाँ जन्म दिवस श्रद्धा समर्पण व भक्ति के वातावरण में दिनांक 14.07.2015 को प्रज्ञा दिवस के रूप में वेसू में मनाया गया। साध्वीश्रीजी द्वारा महामंत्रोच्चार के पश्चात् सुश्री खुशी अंबानी ने महाप्रज्ञ अष्टकम् का मंगल संगान किया।

साध्वी श्री साधनाश्रीजी ने आचार्य श्री महाप्रज्ञजी के जीवन को सत्यम्, शिवम्, सुन्दरम् की अभिनव समन्विति बताया। आचार्य महाप्रज्ञ महान दार्शनिक, लेखक, आसु कवि, आगम संपादक एवं भाष्यकार थे। आपके चिंतन में परम्परा, आधुनिकता, वैज्ञानिकता व अध्यात्मिकता का अद्भूत संगम था। सभा व संस्थाओं के पदाधिकारियों ने प्रासंगिक उद्बोधन दिया। कार्यक्रम का कुशल संचालन साध्वी श्री जागृतयशाजी ने किया।

चातुर्मासिक मंगल प्रवेश

साध्वी श्री साधनाश्रीजी एवं उनकी सहवर्ती साध्वी वृंद का चातुर्मासिक भव्य मंगल प्रवेश दि. 25 जुलाई 2015 को अनुशासन रैली के द्वारा अणुव्रत समिति अध्यक्ष श्री जयंतिभाई कोठारी के निवास स्थान से प्रारंभ होकर घोड दौड़ रोड, जानी फरसाण, सिटीलाइट मेन रोड होते हुए तेरापंथ भवन, सिटीलाइट में हुआ। इस अवसर पर सभा, तेयुप, महिला मंडल, कन्या मंडल, अणुव्रत समिति, जीवन विज्ञान एकादमी, किशोर मंडल के सदस्य एवं श्रावक/श्राविकाओं की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। तेरापंथ भवन में साध्वी श्री का स्वागत एवं अभिनंदन कार्यक्रम आयोजित हुआ। महासभा के गुजरात प्रभारी श्री विनोद बांठिया सूरत के सभी संस्थाओं के पदाधिकारी तथा उधना एवं कामरेज सभा के अध्यक्ष ने साध्वी श्री के सफल चातुर्मास की मंगलकामना प्रेषित की।

शपथ ग्रहण समारोह

अणुव्रत अनुशास्ता आचार्य श्री महाश्रमणजी की सुशिष्या साध्वी श्री साधनाश्रीजी आदि ठाणा-4 के सान्निध्य में दि. 29 जुलाई 2015 को तेरापंथ भवन, सिटीलाइट में श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, सूरत की नव निर्वाचित कार्यकारिणी समिति का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित हुआ। महासभा के तात्कालीन उपाध्यक्ष श्री किशनलाल डाकलिया द्वारा नवचयनित अध्यक्ष श्री मीठालाल नान्द्रेचा, उपाध्यक्ष श्री गौतमचंद चोपड़ा, मंत्री श्री विनोदकुमार कोचर, सहमंत्री श्री श्यामलाल पुनमिया, कोषाध्यक्ष श्री राकेश चोरड़िया एवम् कार्यकारिणी समिति को शपथ ग्रहण करवाई गई। इस अवसर पर महासभा के तात्कालीन उपाध्यक्ष श्री किशन डागलिया, महासभा के गुजरात प्रभारी श्री विनोद बांठिया, महिला मंडल अध्यक्षा श्रीमती रीटा परमार एवं मेनेजिंग ट्रस्टी श्री बाबुलाल भोगर ने नव गठित कार्यकारिणी समिति व पदाधिकारियों को बधाईयाँ प्रेषित की एवं सफल कार्यकाल की कामना की।

चातुर्मासिक पक्खी

दि. 30 जुलाई 2015 को चातुर्मासिक पक्खी के कार्यक्रम में साध्वी श्री साधनाश्रीजी ने मर्यादा व अनुशासन पर विशेष उद्बोधन प्रदान करवाया एवं हाजरी व लेख पत्र का वांचन किया। श्रावक निष्ठा पत्र का वांचन श्री बाबुलालजी भोगर ने किया। कार्यक्रम का कुशल संचालन सभा मंत्री श्री विनोद कोचर ने किया।

256 वाँ तेरापंथ स्थापना दिवस

तेरापंथ धर्मसंघ का 256 वाँ स्थापना दिवस का समायोजन दि. 31 जुलाई 2015 को साध्वी श्री साधनाश्रीजी के सान्निध्य में किया गया। तेरापंथ की विस्तृत जानकारी साध्वी श्री साधनाश्रीजी एवं साध्वी श्री विमलप्रभाजी ने अपने मंगल उद्बोधन मे प्रदान की।

स्वतंत्रता दिवस

श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, सूरत द्वारा राष्ट्र का ६९ वाँ स्वतंत्रता दिवस तेरापंथ भवन, सिटीलाइट के प्रांगण में दिनांक 15.08.2015 को आयोजित किया गया। मेनेजिंग ट्रस्टी श्री बाबुलाल भोगर, सभा के सहमंत्री श्री श्यामलाल पूनमिया, कोषाध्यक्ष श्री राकेश चोरड़िया अन्य सभी संस्थाओं के पदाधिकारीगण, सभा के कार्य समिति सदस्य सहित वृहद संख्या में श्रावक समाज की उपस्थिति में ध्वज वंदन कार्यक्रम रखा गया। राष्ट्र गान का संगान समाज के उदीयमान गायक श्री निलेश बाफना ने किया। श्रद्धेया साध्वी श्री साधनाश्रीजी ने प्रसंगोचित मंगल उद्‌बोधन दिया। कार्यक्रम का सफल संचालन कोषाध्यक्ष श्री राकेश चोरड़िया ने किया।

सभा प्रतिनिधि सम्मेलन

श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा के निर्देशन में विश्व की सभी सभाओं का त्रिदिवसीय तेरापंथी सभा सम्मेलन प्रथम बार भारत के पडोशी राष्ट्र नेपाल के विराटनगर कस्बे की अंतरराष्ट्रीय धरा पर दि. 14–15–16 अगस्त 2015 को आयोजित हुआ। जिसमें 200 सभाओं के लगभग 705 प्रतिनिधि संभागी बने। सूरत सभा से सभाध्यक्ष श्री मीठालाल नान्द्रेचा के नेतृत्व में उपाध्यक्ष श्री गौतम चौपड़ा, मंत्री श्री विनोद कोचर, पूर्व उपाध्यक्ष श्री कुंदनमल तलेसरा, पूर्व मंत्री श्री जितेन्द्र तलेसरा, पूर्व सहमंत्री श्री सुरेन्द्र मरोठी ने प्रतिनिधित्व किया।

उपस्थित प्रतिनिधियों को उद्‌बोधित करते हुए आचार्य प्रवर ने अपने पावन पाथेय में परस्पर मैत्री भाव बनाए रखने, सभाओं में न्यायपूर्ण तरीके से समस्या समाधान करने, परस्पर मतभेद उत्पन्न नहीं होने देने, सबके प्रति सौहार्द बनाए रखने और आपसी दुराग्रह को समाप्त करने की प्रेरणा दी।

महाश्रमणी साध्वी प्रमुखाजी ने सफलता के राज को उद्‌घाटित करते हुए कहा कि स्मार्ट होना सफल व्यक्तित्व की पहचान है। स्मार्ट की व्याख्या करते हुए उन्होनें कहा कि

S	-	Simplicity	-	सादगी
M	-	Morality	-	नैतिकता
A	-	Accountability	-	प्रतिबद्धता
R	-	Responsibility	-	जिम्मेदारी
T	-	Transparency	-	पारदर्शिता

उन्होंने उपस्थित प्रतिनिधियों को नशा मुक्त रहकर हर स्थिति में आत्मानुशासन बनाए रखने की प्रेरणा दी।

श्रेष्ठ सभा हेतु चयनित सूरत सभा का प्रतिनिधित्व सभा के पदाधिकारियों ने आचार्य प्रवर के समक्ष किया। चयन समिति के सदस्यों द्वारा संबंधित सभाओं के वार्षिक विवरण–पत्र के विभिन्न बिन्दुओं पर साक्षात्कार लिए जाने के उपरान्त श्रेष्ठ सभा के रूप में सूरत एवं हैदराबाद सभा का चयन संयुक्त रूप से किया गया। जिसकी घोषणा रात्रिकालिन सत्र में की गई। यह हमारे लिए अत्यन्त गौरव की बात है।

सूरत श्रावक समाज को हार्दिक बधाई एवं अभिनंदन। श्रेष्ठ सभाओं में चयन होने पर महासभा प्रशस्ति पत्र व रुपये एक लाख सभा को देती है।

महासभा ने यह पुरस्कार 152 वें मर्यादा महोत्सव के अवसर पर सूरत सभा से उपस्थित सभा के पूर्व अध्यक्ष व तात्कालीन महासभा के गुजरात सभा प्रभारी श्री विनोद बांठिया सभा अध्यक्ष श्री मीठालाल नान्द्रेचा व मंत्री श्री विनोद कोचर को प्रदान किया। सूरत सभा अध्यक्ष ने महासभा को रू. 250000/– अनुदान स्वरूप देने की घोषणा इस अवसर पर की।

महामौन रेली

राजस्थान हाइकोर्ट द्वारा संथारा / संलेखना के संदर्भ में आये निर्णय के विरोध में समस्त जैन समाज की एक सभा आचार्य शिवमुनिजी के सान्निध्य में दिनांक 19.08.2015 को आयोजित हुई। जिसमें सूरत सभा के पदाधिकारी व अन्य विशिष्ट श्रावक उपस्थित थे। इस मीटींग में दिनांक 24.08.2015 को सकल जैन समाज द्धारा एक प्रभावक महामौन रेली का समायोजन सरगम शोपींग सेन्टर से कलेक्टर कचेरी तक करने का निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया। तदनानुसार तेरापंथ समाज सूरत–उधना के हजारों श्रावक–श्राविकाएँ दिनांक 24.08.2015 को महामौन रेली में सम्मिलित हुए एवं जैन एकता का परिचय दिया। इस प्रभावशाली महामौन रेली की चर्चा सूरत ही नही अपितु संपूर्ण देश में रही। व्यवस्थाओं में सूरत सभा, तेयुप व महिला मंडल कार्यकर्ताओं का उल्लेखनीय सहयोग रहा।

समितियों का शपथ ग्रहण समारोह

दिनांक 01.09.2015 को सभा के मेनेजिंग ट्रस्टी श्री बाबुलालजी भोगर ने वर्ष 2015-16 के लिए नवगठित विभिन्न समितियों के प्रभारी एवं सह प्रभारी सदस्यों को साध्वी श्री साधनाश्रीजी के सान्निध्य में शपथ ग्रहण करवाई। संयोजकीय दायित्व सभा मंत्री श्री विनोद कोचर ने निभाया।

पर्वाधिराज पयुर्षण

साध्वी श्री साधनाश्रीजी के सान्निध्य में पर्युषण महापर्व की आराधना दि. 10.9.2015 से 17.9.15 के मध्य तप-जप सामायिक, स्वाध्याय, ध्यान, व्रत, खाद्य संयम, प्रतिक्रमण आदि विविध अनुष्ठान के साथ की गई। साध्वी श्री साधनाश्रीजी ने पर्युषण काल के दौरान भगवान महावीर के 27 भव से जुडी महनीय जीवन वृत की विशष विवेचना की। जीवन के हर पक्ष से जुड़े भगवान महावीर के प्रसंगों को सहजता व सरलता के साथ प्रस्तुति दी। चतुर्दर्शी को हाजरी का वांचन करते हुए आपने फरमाया कि तेरापंथ धर्म संघ की जीवंतता व दीर्घजीविता का राज हमारे आचार्यों की आज्ञा की शत-प्रतिशत अनुपालना व सेवा के लिए सदैव तत्पर रहना है।

साध्वी श्री विमलप्रभाजी ने सुमधुर स्वरों से वातावरण को महावीरमय बनाते हुए पर्युषण पर्व के दौरान करणीय साधना की विस्तृत जानकारी दी। ऐतिहासिक व आगम से जुडी धन्ना अणगार, शालीभद्र, जम्बु स्वामी, अवंतीकुमार, बह्मदत्त, आ. स्थुलिभद्र, आचार्य दुर्बलिका, पुष्य मित्र, आर्य रक्षित, आ. सुहस्ती, आदि विराट व्यक्तित्वों की विशद विवेचना की।

पूरे पर्युषण काल के दौरान श्रावक समाज की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। कार्यक्रमों में तेयुप, महिला मंडल, कन्या मंडल, किशोर मंडल, टी.पी.एफ., अणुव्रत समिति, जीवन विज्ञान एकादमी आदि सभी संस्थाओं का उल्लेखनीय योगदान रहा। पूरे पर्युषण काल में तेयुप व महिला मंडल द्वारा अखण्ड जप अनुष्ठान किया गया व विविध ज्ञान वर्धक रोचक कार्यक्रमों की समायोजना की गई। कार्यक्रम की व्यवस्थित संयोजना व व्यवस्था में तेयुप सूरत व महिला मंडल की बहिनों तथा सभी संस्थाओं का विशेष योगदान रहा। संयोजकीय दायित्व का निर्वहन साध्वी श्री जागृतयशाजी एवं सभा मंत्री श्री विनोद कोचर ने किया।

श्रमणोपासक आराधना शिविर

पर्युषण महापर्व की विशेष आराधना करने हेतु सभा द्वारा श्रमणोपासक आराधना शिविर का आयोजन किया गया। साध्वी श्री साधनाश्री जी की प्रेरणा से इस शिविर में 100 व्यक्ति संभागी बने। तप, जप, ध्यान, स्वाध्याय, प्रवचन,श्रवण, खाद्य संयम आदि के प्रयोग शिविर दरम्यान संभागीयों को करवाएँ गये।

संवत्सरी

साध्वीश्री साधनाश्रीजी के सान्निध्य में अध्यात्म के विशिष्ट प्रयोगों के साथ संवत्सरी महापर्व की आराधना की गई। साध्वीश्री साधनाश्रीजी ने विशाल जनमेदनी को संबोधित करते हुए कहा संवत्सरी महापर्व पर्युषण का प्राण हैं। विगत वर्ष में हुई भूलों और उपलब्धियों का निरीक्षण करने का दिवस है। अतीत का प्रतिक्रमण व वर्तमान में नियंत्रण की प्रेरणा का पर्व है- संवत्सरी। भगवान महावीर के जन्म, बाल्यावस्था, साधना काल तथा उसमें आए उपसर्गो पर प्रकाश डालते हुए केवलज्ञान तक के सफर का मार्मिक विवेचन किया।

इस अवसर पर आठ व आठ से ऊपर के लगभग 194 व्यक्तियों ने तपस्या का प्रत्यारव्यान किया। श्रावक समाज की उपस्थिति उल्लेखनीय थी। कार्यक्रम का संचालन साध्वी जागृतयशाजी ने किया । संवत्सरी महापर्व पर श्रावकों द्वारा 370 अष्टप्रहरी पौषध 86 छह प्रहरी एवं 550 चार प्रहरी पौषध सम्पन्न हुए।

क्षमापना दिवस
(मैत्री दिवस)

दिनांक 10.09.2015 से दिनांक 17.09.2015 तक पयुर्षण पर्व संवत्सरी महापर्व की सम्यक आराधना सांवत्सरिक प्रतिक्रमण कर 84 लाख जीवायोनि से क्षमायाचना करने के पश्चात दिनांक 18.09.2015 को प्रात: सूरत श्रावक समाज ने पारस्परिक क्षमायाचना करने हेतु साध्वी श्री साधनाश्रीजी के पावन सान्निध्य में क्षमापना कार्यक्रम का आयोजन किया। सभी संस्थाओं के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने एक साथ पूज्य प्रवरों एवं साध्वीश्रीजी से क्षमायाचना करने के पश्चात आपस में एक दूसरे से क्षमायाचना कर अंत: करण को निर्मल बनाकर मैत्री दिवस को सार्थक बनाया। श्रावक समाज ने आज के इस कार्यक्रम की भूरी-भूरी सराहना की।

आचार्य कालुगणी स्वर्गारोहण दिवस

दि. 19.09.2015 को साध्वी श्री साधनाश्रीजी के सान्निध्य में अष्टमाचार्य कालुगणी राज का स्वर्गारोहण दिवस कार्यक्रम आयोजित हुआ। साध्वी जागृतयशाजी द्वारा कालु अष्टकम् के संगान के साथ कार्यक्रम का आगाज हुआ। साध्वी श्री साधनाश्रीजी ने अपने ओजस्वी वक्तव्य में आचार्य कालूगणी के जीवन को पुण्यवत्ता एवं प्रभावकता का बेजोड संगम बताया। साध्वी विमलप्रभाजी ने सुमधुर स्वरों से आचार्य श्री को भावांजलि अर्पित की। उनके व्यक्तित्व के अनेक रहस्यों को उजागार करते हुए फरमाया कि आचार्य ने छक्कम छक्का राज किया।

विकास महोत्सव व आध्यात्मिक मिलन

दिनांक 22.09.2015 को साध्वी श्री साधनाश्रीजी तेरापंथ भवन सीटीलाइट से विहार कर उधना तेरापंथ भवन में विराजित साध्वी श्री कैलाशवतीजी के दर्शनार्थ पधारें। सभी साध्वीयों का सौहार्दपूर्ण वातावरण में आध्यात्मिक मिलन हुआ। तत्पश्चात् प्रात:कालीन कार्यक्रम में विकास महोत्सव का सूरत-उधना के श्रावकों की उल्लेखनीय उपस्थिति में समायोजन किया गया। रात्रिकालीन कार्यक्रम में एक शाम तुलसी के नाम भजन संध्या का आयोजन हुआ।

आचार्य भिक्षु चरमोत्सव दिवस

अहिसा यात्रा प्रणेता आचार्य श्री महाश्रमणजी की सुशिष्या साध्वी श्री साधनाश्रीजी के सान्निध्य में 213वें आचार्य भिक्षु चरमोत्सव दि. 26.09.2015 को मनाया गया। साध्वी श्री साधनाश्रीजी ने जनमेदिनी को संबोधित करते हुए फरमाया-आचार्य भिक्षु के जीवन में विविध विलक्षणताओं का संगम देखने को मिलता है। आचार्य भिक्षु के जीवन की विशिष्ट घटनाएं सभी शुक्ल पक्ष से जुडी है। सचमुच परम शुक्ल पक्षी व्यक्तित्व के धनी थे आचार्य भिक्षु। आपकी उज्ज्वल धवल साधना शुभ्र धवल हिमालय की उतुंगता को छुने वाली थी।

साध्वी श्री विमलप्रभाजी ने भावपूर्ण भक्ति स्वरों से वातावरण को भिक्षु मय बनाते हुए कहा आचार्य भिक्षु निर्मल प्रज्ञा के धनी थे। आपने विषमता, विसंगति और विरोधाभास से संघ को सुरक्षित रखने हेतु जो लकीरें खींची वह आज संघ की प्रवर्धमानता में चार चाँद लगा रही है। चहुँमुखी विकास में सहयोग भूत बन रही है। महिला मंडल ने समवेत स्वरो में शानदार प्रस्तुति दी। इस अवसर पर श्री मीठालाल बंब ने 44 दिन , किरण बोथरा ने 15 की तपस्या का प्रत्याख्यान किया। सूरत महिला मंडल के द्वारा अखण्ड जप का अनुष्ठान रखा गया। रात्रि कालीन धम्म जागरणा में तेरापंथ प्रबोध का आद्योपान्त संगान के पश्चात अनेक गायको ने सुमधुर स्वर लहरी से भवन को गुंजायमान कर दिया। सैकडों श्रावक/श्राविकाओं ने उपवास कर अपने आराध्य को श्रद्धांजलि अर्पित की।

शिक्षा, चिकित्सा, संपोषण योजना

श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, सूरत ने पिछले कई वर्षों से संचालित इस योजना के तहत समाज में साधार्मिक वात्सलय के वातावरण को बढ़ावा देने, शिक्षा चिकित्सा एवम् संपोषण हेतु वांछित परिवारों तक पहुंचने का प्रयास किया है। जिसके अन्तर्गत आलोच्य वर्ष में चिकित्सा हेतु रू. 2,25,000/- एवम् शिक्षा हेतु बच्चों को स्कूल फीस के लिए रू. 4,93,857/- की राशि अपेक्षित परिवारों को उपलब्ध करवाई।

इसी क्रम में श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, सूरत ने समाज की शीर्षस्थ संस्था जय तुलसी फाउण्डेशन (जिसका उद्देश्य कोई भी तेरापंथी परिवार शिक्षा, चिकित्सा एवं संपोषण जैसी मूलभूत आवश्यकताओं से वंचित न रहे।) के सकारात्मक सहयोग से गहन चिकित्सा हेतु (1 परिवार को रु. 70,000/- एवं संपोषण हेतु 4 परिवारों को रू. 8300/-प्रतिमाह) की सहायता राशि उपलब्ध करवाने में अपने दायित्व का कुशलता से निर्वहन किया।

श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, सूरत जय तुलसी फाउण्डेशन द्वारा चलाये जा रहे इस सार्थक प्रयास की भूरी-भूरी प्रशंसा करती हैं एवम् संस्था के प्रधान ट्रस्टी श्री सुरेन्द्र दुगड़ के प्रति हार्दिक आभार ज्ञापित करती है। आशा है कि आप भविष्य में भी सूरत सभा पर इसी तरह विश्वास बनाये रखेगें।

तप अभिनंदन

भगवान महावीर ने मोक्ष प्राप्ति के चार मार्ग बताये हैं। सम्यक् ज्ञान, सम्यक् दर्शन, सम्यक् चारित्र और तप। इन चारों मार्गों में तप का मार्ग सबसे दुष्कर हैं। विरले ही इस मार्ग पर चलकर कर्म निर्जरा कर सकते हैं। शांतिदूत महातपस्वी आचार्य श्री महाश्रमणजी की सुशिष्या साध्वी श्री साधनाश्रीजी ने तेरापंथी सुश्रावक श्री मीठालालजी बम्ब की 51 दिनों (सूरत श्रावक समाज के लिए किर्तीमान) की तपस्या एवं

श्रीमती मंजू देवी लोढ़ा की 30 दिनों की मासखमण तपस्या के संदर्भ में उपरोक्त विचार तेरापंथ भवन, सिटीलाइट में दि.03.10.2015 को व्यक्त किए।

साध्वी श्री ने फरमाया– इस भौतिक युग में आदमी बाह्य शुद्धि और बाह्य श्रृंगार के लिए तो विविध उपायों की आजमाईश कर लेता हैं लेकिन आंतरिक शुद्धि और आंतरिक श्रृंगार के लिए बहुत कम लोग सोचते हैं। निराहार तपस्या करना अत्यन्त दुष्कर हैं। उसमें भी 51 दिनों तक सतत निराहार रहना, परम विस्मयकारक बात है। श्री मीठालालजी बम्ब तथा श्रीमती मंजूदेवी लोढ़ा ने आत्मशुद्धि का यह मार्ग अपनाया है। श्री मीठालालजी बम्ब ने तेरापंथ जैन समाज सूरत में तपस्या के क्षेत्र में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। दोनों को अनेकानेक साधुवाद। साध्वी श्री विमलप्रभाजी, साध्वी श्री सन्मतिश्रीजी एवं साध्वी श्री जागृतयशाजी ने प्रसंगोंचित उद्‌बोधन दिया। दोनों तपस्वियों का तेरापंथी सभा द्वारा सन्मानपत्र द्वारा सम्मान किया गया।

इस अवसर पर तेयुप भजन मंडली ने मंगलाचरण से कार्यक्रम का शुभारंभ किया। तपस्वीयों का सम्मान सभा अध्यक्ष श्री मीठालाल नान्द्रेचा, मंत्री श्री विनोद कोचर, उपाध्यक्ष श्री गौतम चोपड़ा व कोषाध्यक्ष श्री राकेश चोरड़िया तथा तपोनिष्ठ श्रावक श्री इन्द्रमल दलिचंद राठौड़ ने किया। तेयुप पदाधिकारी व महिला मंडल के पदाधिकारी कार्यक्रम में उपस्थित थे। संचालन सूरत तेरापंथी सभा के मंत्री श्री विनोद कोचर ने किया। दोनों तपस्वीयों के पारिवार जनों द्वारा भी तप अनुमोदना के स्वर प्रस्तुत किए गए।

इस चातुर्मास में कुल छ: मासखमण निर्विध्न सम्पन्न हुए। जिनके नाम इस प्रकार हैं– (1) श्री मोहनलालजी पुनमिया – 31, (2) श्री अर्पित मोदी– 31, (3) श्रीमती ममता संजय गादिया –31, (4) श्री इन्द्रमलजी राठोड– 35, (5) श्रीमती मंजू देवी लोढ़ा –30, (6) श्री मीठालाल बम्ब– 51 अन्य तपस्या के क्रम में अठाई की तपस्या– 231, 9–23, 10–7, 11–27, 12–2, 13–1, 15–6,16–3, कंठी तप–4,सिद्धि तप–9 की तपस्या संम्पन्न हुई। चंदन बाला के सैकड़ों तेले हुए।

श्री मोहनलालजी पूनमिया तथा श्रीमती ममता संजय गादिया का तपोभिन्दन दि.28.08.2015 को श्री इन्द्रमलजी राठोड़ का 1.9.2015 को, श्री अर्पित मोदी का 13.9.2015 को तपोभिनंदन किया गया। अठाई से ऊपर की तपस्या करने वाले श्रावकों का तपोभिन्दन 16.9.2015 को आयोजित हुआ।

नवान्हिक अनुष्ठान

महातपस्वी आचार्य श्रीमहाश्रमणजी की सुशिष्या साध्वी श्री साधनाश्रीजी के सान्निध्य में तेरापंथ भवन, सिटीलाइट में नवरात्रि दौरान नवान्हिक जप अनुष्ठान समायोजित हुआ।

साध्वी श्री साधनाश्रीजी ने सभा को संबोधित करते हुए फरमाया– समता की साधना के लिए सहिष्णुता का होना परमावश्यक है और सहिष्णुता के लिए आवश्यक है शक्ति संम्पन्नता। नवरात्रि के दौरान तप, जप व संयम की साधना कर हम शक्ति सम्पन्न बनें ताकि अर्न्तनिहित शक्तियाँ जागृत कर सफलता समृद्धि व समाधि की दिशा में गतिमान बनते रहें।

इस अवसर पर साध्वीश्रीजी की प्रेरणा से जप के साथ तप का भी सुन्दर क्रम चला। लगभग 53 श्रावक श्राविकाओं ने दस प्रत्याख्यान की साधना की। इनके अलावा 17 बहिनों ने लगातार नौ दिवस एकासन 23 बहिनों ने नींवीं व 5 बहिनों ने नौ दिन आयम्बिल तप किया। सूरत महिला मंडल द्वारा सामुहिक आयम्बिल तप अनुष्ठान रखा गया जिसमें 113 भाई बहिनों ने आयम्बिल तप की आराधना की।

सहभागिता योजना

जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा द्वारा संचालित सहभागिता योजना के अन्तर्गत श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, सूरत ने परिवारों की सार–संभाल एवम् सम्पर्क अभियान के द्वारा सामाजिक विकास के उद्देश्य से विगत वर्ष में लगभग 450 परिवारों से सम्पर्क करते हुए रू. 6,57,866/– की राशि एकत्रित की, जिसमें से 3,29,000/– की राशि महासभा को प्रेषित की गई। इस कार्य मे सूरत सभा के सहभागिता योजना प्रभारी श्री ख्यालीलाल सिसोदिया एवम् उनके सभी सहप्रभारियों का उल्लेखनीय श्रम रहा।

दीक्षार्थी मंगलभावना

मुमुक्षु नेहा भोगर

महातपस्वी आचार्य श्री महाश्रमणजी की सुशिष्या साध्वी श्री साधनाश्रीजी के सान्निध्य में सायरा निवासी सूरत ज्ञानशाला की ज्ञानार्थी श्री महेन्द्रकुमार भोगर की सुपुत्री मुमुक्षु नेहा का मंगलभावना समारोह हर्षाश्रुओं से पूरित वातावरण में दि. 25.10.2015 को

आयोजित हुआ। साध्वी साधनाश्रीजी ने फरमाया कि विभाव से स्वाभाव में आने का नाम है– दीक्षा। विकृति से प्रकृति में आने का नाम है– दीक्षा। जिसकी आंखों में परम ब्रह्म की ज्योति जगमगाती हो, हृदय में करुणा का सागर संचरित होता हो व्यवहार की धरतीपर समन्वय के फूल खिलते हो, सहानुभूति की सौरभ में जीवन उपवन महकता हो संयम, श्रम शम सद्गुणों की पहरेदारी होतो समझना चाहिए वह स्वभाव में स्थित है। इनका विकास ही दीक्षा या संन्यास है। कार्यक्रम से पूर्व मुमुक्षु बहिन विशाल रैली के साथ तुलसी दर्शन भटार रोड से न्यु सिविल रोड, घोड़ दौड रोड, जानी फरसाण, सायन्स सेन्टर होते हुए तेरापंथ भवन पहुँची। सभी संस्थाओं का उल्लेखनीय सहयोग प्राप्त हुआ। तेयुप भजन मंडली की छटा निराली थी।

मंगलभावना समारोह का शुभारंभ श्री कांतिलाल मेहता तथा सूरत महिला मंडल की बहिनों द्वारा मंगलाचरण से किया गया। सभाध्यक्ष श्री मीठालाल नान्द्रेचा, तेयुप मंत्री श्री पवन फूलफगर, महिला मंडल अध्यक्षा श्रीमती पूनम गुजरानी, अणुव्रत समिति अध्यक्ष श्री जयंतिलाल कोठारी, जीवन विज्ञान अकादमी की अध्यक्षा श्रीमती अलका सांखला, पा.शि. संस्थान के पूर्व संयोजक श्री डुंगरमल बागरेचा, सायरा सभाध्यक्ष श्री ख्याली भाई सिसोदिया, श्री मीठालाल भोगर, श्री महेन्द्र भोगर ने व्यक्तव्य के माध्यम से मंगल भावना प्रस्तुत की। ननिहाल व ददिहाल पक्ष वालों ने समवेत स्वरों में प्रस्तुति दी। मुमुक्षु नेहा ने कहा असीम इच्छाओं को ससीम करने का सूत्र भ्राता मुनि हितेन्द्र कुमारजी से मिला। आज में उनके पदचिन्हों पर चलने के लिए प्रस्तुत हूँ। क्षमा के धरातल पर समुपस्थिति हो जब पिता परिवार स्नेहीजनों से खमतखामणा किए तब महाप्रज्ञ सभागार में उपस्थित हर चेतना की आंखों से अश्रुधारा निकल पड़ी। साध्वीश्रीजी से लेकर मुमुक्षु नेहा तक सभी वक्ताओं ने नेहा के संसार पक्षीय पिताजी श्री महेन्द्र भोगर के लिए अहोभाव व्यक्त करते हुए मंगलकामना व्यक्त की। कार्यक्रम का कुशल संचालन सभा मंत्री श्री विनोद कोचर ने किया। पदाधिकारियों द्वारा अभिनंदन पत्र प्रदान कर मुमुक्षु बहन नेहा का औपचारिक अभिनंदन किया गया।

मुमुक्षु सचिन कासवाँ "स्नेह"

साध्वी श्री कनकश्रीजी के सान्निध्य में रतलाम प्रवासी झखनावद निवासी दीक्षार्थी मुमुक्षु सचिन कासवाँ का मंगल भावना समारोह तेरापंथ भवन, सिटीलाइट में दि. 17.03.2016 आयोजित किया गया। मंगलाचरण श्री सुरेश सुराणा ने किया। इस अवसर पर साध्वीश्रीजी ने अपने मंगलमय उद्धबोधन में फरमाया कि तेरापंथ धर्मसंघ गौरवशाली धर्मसंघ है। मुमुक्षु सचिन संयम पथ पर अग्रसर होने जा रहा है। यह निरंतर आध्यात्मिक विकास करे यहीं मंगलकामना। कार्यक्रम में तेरापंथ सभा, महिला मंडल व उपासको द्वारा मुमुक्षु दीक्षार्थी सचिन को साहित्य व अभिनंदन–पत्र भेंट किया गया। महासभा गुजरात प्रभारी श्री लक्ष्मीलाल बाफना, उपासक शिविर राष्ट्रीय प्रभारी श्री विनोद बांठिया, उपासक श्री सुरेश बाफना, श्री कांतिभाई मेहता, श्री पुखराज धोका, तेरापंथ महिला मंडल अध्यक्षा श्रीमती पूनम गुजरानी, उपासिका श्रीमती सरोज बांठिया आदि ने अपने भावों की अभिव्यक्ति देते हुए वैरागी सचिन के प्रति आध्यात्मिक मंगलकामना की। कार्यक्रम में कुशल संचालन सभा मंत्री श्री विनोद कोचर ने किया। आभार ज्ञापन उपासक श्री मोहनलाल सकलेचा ने किया।

सामायिक अनुष्ठान

तेरापंथ भवन, सिटीलाइट के महाप्रज्ञ सभागार में प्रतिनिद प्रात: सामायिक अनुष्ठान सामायिक क्लब के सदस्यों द्वारा किया जाता हैं। वर्ष के प्रत्येक दिन सदस्यों द्वारा नियमित सामायिक की जाती है। इस वर्ष इस के वरिष्ठ सदस्य श्रद्धानिष्ठ श्रावक पचपदरा निवासी श्री मांगीलालजी चोपड़ा का दु:खद् निधन हो गया। श्री मांगीलालजी को हार्दिक श्रद्धांजलि।

सूरत तेरापंथ के जागरुक श्रावकों द्वारा आचार्य प्रवर के द्वारा 152 वें मर्यादा महोत्सव पर दिए गये निर्देश की अनुपालना करते हुए प्रत्येक शनिवार को सायं 7 से 8 सामायिक की जाती है। कुछ सदस्य रात्रि 9.30 से 10.30 बजे तक सामायिक अनुष्ठान में शामिल होते है। सभी को साधुवाद।

ज्ञानशाला दिवस

महातपस्वी आचार्य श्री महाश्रमणजी की सुशिष्या साध्वी श्री साधनाश्रीजी के सान्निध्य में एक दिवसीय शिविर के रूप में ज्ञानशाला दिवस दि. 18.10.2015 को आयोजित किया गया, जिसमें लगभग 321 ज्ञानार्थियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई। साध्वी श्री साधनाश्रीजी ने ज्ञानार्थियों को संबोधित करते हुए फरामाया – आध्यात्मिक वैज्ञानिक व्यक्तित्व निर्माण की प्रयोग भूमि है ज्ञानशाला। जहां

ज्ञानार्थी को ज्ञानार्जन के साथ ही शुभ भविष्य के निर्माण हेतु असद् विचार, असत्य भाषा व असभ्य शब्दों का प्रयोग नहीं करना चाहिए। साध्वीश्री ने गुरु व बड़ों का सम्मान करना, सतत जागरुक रहकर संघ समाज व राष्ट्र हित हेतु सदैव तत्पर रहने की प्रेरणा ज्ञानार्थीयों को दी।

साध्वी श्री विमलप्रभाजी ने कहा आचार्य तुलसी ने अनेक स्वप्न देखे उनमें से एक था भावी पीढी के निर्माण के लिए ज्ञानशाला की परिकल्पना। वर्तमान शिक्षा प्रणाली मात्र आजीविका से जुड़ कर सीमित रह गई है। मगर ज्ञानशाला में बौद्धिक, वैज्ञानिक, नैतिक, भावनात्मक, आध्यात्मिक अर्थात सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास का प्रशिक्षण प्राप्त होता है।

साध्वी श्री जागृतयशाजी ने कहा– सद्गुणों के विकास हेतु प्रकाश प्रदान करने का पावर हाऊस है ज्ञानशाला । आत्म विकास की दिशा में प्रस्थान करने वाला ज्ञानार्थी ही संघ व समाज को शिखरों तक पहुंचाने में सहाय भूत बन सकते है। इस अवसर पर सूरत सभा के निर्देशन में ज्ञानशाला परिवार द्वारा विशाल रैली की समायोजना की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ में ज्ञानशाला की प्रशिक्षिकाओं ने सुमधुर समवेत स्वरों से मंगलाचरण प्रस्तुत किया। सिटीलाइट, भटार, वराछा, अडाजन, त्रिकमनगर के ज्ञानार्थियों ने आपकी अदालत, ज्ञानशाला कीट, नमस्कार महामंत्र पर कव्वाली, पांच इन्द्रियों का व उपयोगिता ज्ञानशाला की महत्ता व कैसी हो दिनचर्या ज्ञानवर्धक शानदार प्रस्तुतियां प्रस्तुत की। इस अवसर पर राजस्थान के गृहमंत्री श्रीमान गुलाबजी कटारियां ने कहा मैं आज जो कुछ हूं बचपन के संस्कारों की बदौलत हूँ। संतों की सन्निधि से ही मुझे संघ सेवा व देश सेवा के संस्कार मिले।

प्रेक्षा प्रशिक्षक श्रीमान पारस दुगड़ एवं श्रीमती विमला दुगड़ ने प्रेक्टिकल प्रायोगिक प्रशिक्षण प्रदान करते हुए मुद्रा विज्ञान व मंत्र साधना के विषय में जानकारी दी तथा कार्योत्सर्ग के प्रयोग करवाये। पूर्व संयोजिका श्रीमती मधु देरासरिया ने "संत दर्शन व संतों की सेवा कैसे करे" इसकी विस्तृत जानकारी दी। रोचक ज्ञानवर्धक प्रतियोगिता आयोजित की गई तथा पर्युषण पर्व के दौरान प्रत्याख्यान प्रतियोगिता में संभागी प्रतियोगियों को पुरस्कृत किया। तत्पश्चात वर्ष 2014–2015 में सेवा देने वाले प्रशिक्षिकों को सम्मानित किया गया। शिविर की सफलतम् समायोजना में सभाध्यक्ष श्री मीठालाल नान्द्रेचा,मंत्री श्री विनोद कोचर, ज्ञानशाला संयोजक श्री हरिशजी कावड़िया, श्री दिनेशजी राठोड़, श्री अरविंद बाफना तथा श्रीमती अंजना झाबक आदि पूरी ज्ञानशाला टीम का सराहनीय सहयोग रहा।

ज्ञानशाला विकेन्द्रीयकरण

सूरत में विशाल तेरापंथी समाज प्रवासित है। यहाँ का पंचरंगी समाज संघ व संघपति के प्रति पूर्ण समर्पित हैं। यहाँ के श्रावकों में आपसी सौहार्द व भाई–चारे की चर्चा सम्पूर्ण भारत वर्ष के तेरापंथी समाज में होती रहती हैं। यहाँ के तेरापंथी समाज ने चहुँमुखी विकास किया हैं। आचार्य श्री महाप्रज्ञजी के सूरत चार्तुमास से तेरापंथ भवन, सिटीलाइट में ज्ञानशाला केन्द्रीय रूप से तेरापंथ सभा द्वारा संचालित की जा रही थी। सूरत में प्रवासित परिवारों की संख्या एवं क्षेत्रीय दूरी को ध्यान में रखकर मुनि श्री सुव्रतकुमारजी ने अथक परिश्रम कर अडाजण विस्तार में श्री राजेन्द्र बरड़िया की स्कूल में ज्ञानशाला में प्रारंभ करवाई। अडाजण, पाल, रांदेर में प्रवासित तेरापंथी परिवारों के 140 बच्चे यहाँ ज्ञानार्जन करते हैं। प्रशिक्षकों तथा कार्यकर्त्ताओ में अच्छा उत्साह हैं। श्री राजेन्द्र बरड़िया के प्रति हार्दिक आभार।

सूरत सभा के पदाधिकारी, ज्ञानशाला प्रभारी तथा कार्यकर्त्ताओं के सहयोग से वराछा रोड हीराबाग स्थित तेरापंथ भवन में भी ज्ञानशाला दि. 23.08.2016 को प्रारंभ की गई। यहाँ तेरापंथी समाज के अतिरिक्त अन्य जैन समाज के बच्चे भी ज्ञानार्जन कर रहे है। वराछा रोड के प्रशिक्षक एवं कार्यकर्त्ता सक्रिय है। वहाँ लगभग 60 बच्चे ज्ञानार्जन कर रहे है।

सूरत सभा के अंतर्गत चौथी ज्ञानाशाला त्रिकमनगर स्थित समाज के कर्मठ, जागरुक, संघ समर्पित कार्यकर्त्ता श्री अनुराग कोठारी द्वारा संचालित अरिहंत एकेडेमी स्कूल में सभा पदाधिकारियों के सकारात्मक प्रयासों से प्रारंभ की गई। यहाँ लगभग 70 विद्यार्थी ज्ञानार्जन कर रहे है। श्री अनुराग कोठारी तथा प्रशिक्षकों तथा कार्यकर्त्ताओं के प्रति हार्दिक आभार ।

सूरत सभा के पदाधिकरी, ज्ञानशाला प्रभारी तथा कार्यकर्त्ताओं के सहयोग से गोपीपुरा स्थित तेरापंथ भवन में भी ज्ञानशाला प्रारंभ की गई।

जीवन विज्ञान दिवस

दि. 24.11.2015 महाप्रज्ञ अलंकरण के उपलक्ष में जीवन विज्ञान दिवस समारोह साध्वी श्री साधनाश्रीजी, समणी विनयप्रज्ञाजी एवं समणी आगम प्रज्ञाजी के सान्निध्य में आयोजित हुआ। जिसमें साध्वी वृंद एवं समणीजी ने शिक्षा के क्षेत्र में जीवन विज्ञान के महत्त्व विषय पर उद्बोधन दिया।

ज्ञानशाला प्रशिक्षक प्रशिक्षण शिविर

दि. 25-26-27 दिसम्बर 2015 को त्रिदिवसीय ज्ञानशाला प्रशिक्षक प्रशिक्षण शिविर की समायोजना तेरापंथ भवन सिटीलाइट में की गई। 54 प्रशिक्षकों ने भाग लिया। राष्ट्रीय प्रशिक्षक श्रीमान डालमचंदजी नौलखा ने प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण प्रदान करवाया। श्री डालमचंदजी के प्रति हार्दिक कृतज्ञता, आभार।

ज्ञानशाला पीकनीक

सूरत सभा द्वारा संचालित ज्ञानशाला के बच्चों हेतु पीकनीक (स्नेह मिलन) का कार्यक्रम दि. 17.01.2016 को ताप्ती वेली स्कूल के विशाल प्रांगण में आयोजित की गई। जिसमें लगभग 465 बच्चों, प्रशिक्षकों, कार्यकर्त्ताओं ने उत्साह से हिस्सा लिया। बच्चों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं रोचक ज्ञानवर्धक कार्यक्रम आयोजित किए गए। विजेताओं को पुरुस्कृत किया गया। ताप्ती वेली स्कूल के संचालकों व प्राचार्य के प्रति आभार। साधुवाद। कृतज्ञता।

ज्ञानशाला सम्मेलन

कामरेज सभा द्वारा मुनि श्री सुव्रतकुमारजी के सान्निध्य में दि. 22.11.2015 ज्ञानशाला का दक्षिण गुजरात स्तरीय ज्ञानशाला सम्मेलन आयोजित हुआ। श्रावकों की उल्लेखनीय उपस्थिति के मध्य सूरत ज्ञानशाला के बच्चों द्वारा दी गई प्रस्तुति को विशेष रूप से सराहा गया।

चित्र प्रतियोगिता

ज्ञानशाला की तेरापंथ भवन सिटीलाइट में जीवन विज्ञान एकादमी द्वारा 25.10.2015 को चित्रकला प्रतियोगिता रखी। 172 ज्ञानार्थी सम्मिलित हुए।

अडाजण ज्ञानशाला के ज्ञानार्थियों के लिए दि.16.04.2016 को चित्रकला प्रतियोगिता रखी गई। जिसमें 124 ज्ञानार्थियों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया।

समर वेकेशन केम्प

ज्ञानशाला के ज्ञानार्थियों के लिए दि.07.05.2016 से 11.05.2016 को एक समर वेकेशन केम्प का आयोजन तेरापंथ भवन, सिटीलाइट, में किया गया। जिसमें ज्ञानार्थियों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया।

मंगलभावना समारोह

आचार्य श्री महाश्रमणजी की सुशिष्या साध्वी श्री साधनाश्रीजी का सफलतम सूरत चातुर्मास परिसंपन्न हुआ। इस अवसर पर श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, सूरत द्वारा मंगलभावना समारोह दि. 25.11.2015 को आयोजित हुआ जिसमें विशाल श्रावक समुदाय उपस्थित रहा।

अपने प्रेरक उद्‌बोधन में साध्वी श्री साधनाश्रीजी ने कहा- चातुर्मास का समय ज्ञान, दर्शन, चारित्र और तप की सम्यक आराधना का होता है। इस अवसर का सूरत के श्रावक-श्राविकाओं ने बहुत अच्छा उपयोग किया। सूरत के श्रावकों की श्रद्धा-भक्ति और कार्यकर्त्ता की संघ निष्ठा अनुमोदनीय है।

हम गुरु आज्ञा से चातुर्मासार्थ सूरत आएँ। हमारा प्रथम चातुर्मास आज सफलता के साथ परिपूर्ण हो रहा है। इसमें गुरुकृपा ही सबसे बड़ी योगभूत रही है। यहाँ सभी संस्थाओं में अच्छा समन्वय और तालमेल है। हमारे यहां कहावत है कि "साधु तो चलता भला" और "बहता पानी निर्मला"। पानी का बहना और साधु का विचरते रहना सभी के लिए श्रेयस्कर होता है। पूज्य प्रवर की आज्ञानुसार अब हमें अहमदाबाद की और प्रस्थान करना है।

साध्वी श्री सन्मतिश्रीजी ने कहा- इस शहर का नाम सूरत है लेकिन यह सूरत ही नहीं खूबसूरत है। ऐसा हमें इस चातुर्मास के दौरान प्रत्यक्ष अनुभव हुआ है। यहां के लोगों की भक्ति-भावना विनम्रता एवं कार्यकर्त्ताओं का पारस्परिक सौहार्द प्रशंनीय है। साध्वी श्री विमलप्रभाजी, साध्वी श्री जागृतयशाजी, समणी श्री आगमप्रज्ञाजी एवं विनयप्रज्ञाजी का सान्निध्य भी उपलब्ध रहा। तेरापंथी सभा, सूरत के अध्यक्ष श्री मीठालाल नान्द्रेचा, तेयुप अध्यक्ष श्री रमेश बोथरा, पूर्व अध्यक्ष श्री नरपत कोचर, महिला मंडल मंत्री श्रीमती शिल्पा मादरेचा, जीवन विज्ञान एवं अणुव्रत समिति के अध्यक्ष क्रमश: श्रीमती अलका सांखला एवं श्री जयंतीभाई कोठारी, मीडिया प्रभारी श्री अर्जुन मेड़तवाल, श्री रेवतमल पुगलिया, श्री जितेन्द्रकुमार तलेसरा आदि ने मंगलभावना प्रस्तुत की। संचालन तेरापंथी सभा, सूरत के मंत्री श्री विनोद कोचर ने किया।

महासभा संगठन यात्रा

महासभा अध्यक्ष श्री कमल दुगड़ उपाध्यक्ष श्री किशन डागलिया एवं कोषाध्यक्ष श्री सुरेन्द्र बुरड तेयुप-सूरत द्वारा समायोजित जैन विश्व भारती, लाडनूँ के रजत जयंति वर्ष के अंतिम चरण में सहभागिता हेतु दि. 10.01.2016 को सूरत पधारें। सूरत सभाा द्वारा संचालित विविध गतिविधियों की जानकारी सूरत सभा के अध्यक्ष श्री मीठालाल नान्द्रेचा व मंत्री श्री विनोद कोचर ने महासभा पदाधिकारीयों को दी।

आध्यात्मिक मिलन

सूरत का सफल चार्तुमास संपन्न कर गुरु इंगितानुसार अहमदाबाद की तरफ विहाररत साध्वी श्री साधनाश्रीजी ठाणा-4 तथा शाहीबाग अहमदाबाद में पावस प्रवास परिसंपन्नकर लातुर की तरफ विहाररत साध्वी श्री लब्धीश्रीजी आदि ठाणा-3 का आध्यात्मिक मिलन समारोह दिनांक 18.01.2016 को भिक्षु वाटिका के प्रांगण में उल्लेखनीय जनमेदनी की उपस्थिति में उत्साह के वातावरण में हुआ। सभी साध्वीयों ने एक दुसरे के प्रति प्रमोद भावना एवं आगामी विहार के लिए मंगल भावना व्यक्त की। महिला मंडल की तरफ से पूर्व अध्यक्षा श्रीमती रीना राठौड़ एवं सभा की तरफ से सभा मंत्री श्री विनोद कोचर ने मंगल कामना प्रेषित की।

रास्ते की सेवा

सूरत का वर्ष 2015 का सफल चातुर्मास परिसंपन्न कर पूज्य प्रवर के इंगितानुसार साध्वी श्री साधना श्रीजी आदि ठाणा-4 दिनांक 19.01.2016 को सूरत शहर की सीमा से बाहर विहार किया। कामरेज से रास्ते की सेवा का क्रम प्रांरभ किया गया। साध्वी श्री के विहार मार्ग में सूरत के श्रावकों ने बड़े उत्साह के साथ रास्ते की सेवा की। सेवा समिति के प्रभारी, सह प्रभारी, सभा, महिला मंडल, युवक परिषद् व अन्य सभी संस्थाओं के पदाधिकारी, कार्यसमिति सदस्यों का सेवा कार्य में अच्छा सहयोग प्राप्त हुआ सभी के प्रति मंगलकामना। कृतज्ञता।

साध्वी श्री लब्धि श्रीजी ने सूरत में अल्प प्रवास कर लातुर की तरफ गुरु आज्ञानुसार विहार किया। सूरत श्रावक समाज ने आपके रास्ते की सेवा में स्वयं को मनोयोग से निहित कर पनवेल (मुंबई) तक सेवा की सभी सहयोगियों के प्रति आभार।

गणतंत्र दिवस

दिनांक 26.01.2016 को तेरापंथ भवन, सीटीलाइट के प्रांगण मे 67 वें गणतंत्र दिवस का कार्यक्रम समायोजित हुआ। मैनेजींग ट्रस्टी श्री बाबुलाल भोगर ने ध्वज वंदन किया। सभी संस्थाओं के पदाधिकारी, कार्यसमिति सदस्य एवं श्रावक समाज की उल्लेखनीय उपस्थिति के मध्य राष्ट्रगान तथा राष्ट्र भक्ति गीतों का संगान किया गया। महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती पूनम गुजरानी एवं अणुव्रत महासमिति की संगठन मंत्री श्रीमती अलका सांखला ने प्रासंगिक उद्बोधन किया। कार्यक्रम का कुशल संचालन सभा मंत्री श्री विनोद कोचर ने किया।

मर्यादा महोत्सव

तेरापंथ धर्मसंघ के 152 वें मर्यादा महोत्सव का त्रिदिवसीय समायोजन पूज्य प्रवर के सान्निध्य में किशनगंज (बिहार) में समायोजित हुआ। तेरापंथ भवन सीटीलाइट में साध्वी श्री लब्धि श्रीजी ठाणा-3 के सान्निध्य में मर्यादा महोत्सव दि. 14.02.2016 श्रावक समाज की विशाल समुपस्थित में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन सभा कोषाध्यक्ष श्री राकेश चोरडीया ने किया।

आगम मंथन प्रतियोगिता

साध्वी श्री साधनाश्रीजी की प्रेरणा से सूरत के ज्ञान पीपासु श्रावक समाज ने आगम मंथन प्रतियोगिता में बड़े उत्साह से हिस्सा लिया। 150 व्यक्ति इस प्रतियोगिता के संभागी बने।

संगठन

देश की शीर्षस्थ सभाओं में अपना स्थान रखने वाली श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, सूरत के दि. 31.03.2016 तक कुल 2164 सदस्य है। जिसमें विशिष्ट श्रेणी में 71 सदस्य, सहायक श्रेणी में 141 सदस्य और आजीवन श्रेणी में 1952 सदस्य है। इस वर्ष में आजीवन श्रेणी में कुल 382 नये सदस्यों की अभिवृद्धि हुई।

चार्तुमास घोषणा

परम श्रद्धेय आचार्य श्री महाश्रमण की कृपा दृष्टि सूरत के श्रावक समाज पर सदैव रहती है। आचार्य प्रवर ने महत्ती अनुकंपा कर साध्वी श्री कैलाशवतीजी, साध्वी श्री ललिताश्रीजी, साध्वी श्री पंकजश्रीजी, साध्वी श्री शारदाप्रभाजी एवं साध्वी श्री सम्यकत्वयशाजी का वर्ष 2016 का चार्तुमास दि. 19.03.2016 को सूरत फरमाया। घोषणा की जानकारी होते ही सभा के सभी पदाधिकारी तुरंत उधना सभा भवन में प्रवासित साध्वी श्री के दर्शनार्थ पहुँचे एवं मंगल पाठ श्रवण किया।

आचार्य भिक्षु अभिनिष्क्रमण दिवस

मुनि श्री जिनेशकुमारजी "जसोल" के पावन सान्निध्य में 257 वाँ भिक्षु अभिनिष्क्रमण दिवस दि. 15.04.2016 को तेरापंथ भवन, सिटीलाइट में विशाल जनमेदनी की उपस्थिति में मनाया गया। मुनि श्री ने आचार्य श्री भिक्षु की कार्य शैली एवं उनके ओजस्वी व्यक्तित्व के बारे में श्रावक समाज को जानकारी दी।

महावीर जयंति

2615 वीं महावीर जयंती की पूर्व संध्या पर युवा तपस्वी आचार्य श्री महाश्रमणजी के सुशिष्य मुनि श्री जिनेशकुमारजी "जसोल" के सान्निध्य में श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, सूरत के तत्त्वावधान में तेरापंथ भवन सिटीलाइट में " आचार्य महाप्रज्ञ की दृष्टि में भगवान महावीर" विषय पर गुजरात के गणमान्य विद्वानों द्वारा "परिसंवाद" कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिसमें आचार्य श्री महाप्रज्ञजी द्वारा भगवान महावीर पर लिखित "श्रमण महावीर" पुरुषोत्तम महावीर" "महावीर का स्वास्थ्य शास्त्र" और " महावीर का अर्थशास्त्र" पुस्तकों के विचारों के संदर्भ में डॉ. शशिकान्त भाई शाह, डॉ. अश्विनभाई देसाई, डॉ. जीतूभाई शाह एवं श्री भरत शाह "छांयड़ो" ने अपने विचार सदन के समक्ष रखें।

इस अवसर पर धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनि जिनेशकुमार ने कहा जो दूसरों को जीतता है वह वीर होता है और जो अपने आप को जीतता है वह महावीर होता है। महावीर ने भीषण तप तपकर केवलज्ञान प्राप्त किया, तीर्थ की स्थापना की और जन-जन को अहिंसा, अनेकांत व अपरिग्रह का संदेश दिया।

प्रमुख वक्ता डॉ. अश्विनभाई देसाई ने कहा - भगवान महावीर पुरुषोत्तम थे। उन्होंने आत्मवाद एवं कर्मवाद की जो मीमांसा की है वह भारतीय संस्कृति का हार्द है।

मुख्य वक्ता विद्वान डॉ. शशिकांत भाई शाह ने कहा- आत्मा और शरीर भिन्न है। आत्मा और शरीर का फर्क समझना ही वर्धमान से महावीर की यात्रा है। भगवान महावीर की अहिंसा विलक्षण है। मन,वचन और कर्म से किसी को दु:खी न करुँ यह अहिंसा है।

मुख्य वक्ता डॉ. जीतूभाई शाह ने कहा- हमें जो व्यवहार दूसरों से पसन्द नहीं है, वैसा व्यवहार हम भी दूसरों से न करे। भगवान महावीर ने गर्भ में ही प्रतिज्ञा लेकर दूसरो को कष्ट / पीड़ा न देने का महत्त्व पूर्ण संदेश दिया।

मुख्य अतिथि भरतभाई शाह "छांयड़ो" ने कहा - महाप्रज्ञजी विशिष्ट पुरुष थे। उनकी मानवता व नैतिकता की बात से मैं बहुत प्रभावित हूँ। महावीर का अर्थशास्त्र कहता है सीमाकरण करो। अर्थ के साथ करुणावाद को अपना ले तो सुख और आनंद की प्राप्ति होगी।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुनि श्री परमानंदजी के द्वारा महावीर अष्टकम् से हुआ। स्वागत भाषण तेरापंथ सभा अध्यक्ष श्री मीठालाल नान्द्रेचा ने किया। आभार ज्ञापन श्री बालुभाई पटेल ने तथा कुशल संचालन सभा मंत्री श्री विनोद कोचर ने किया। कार्यक्रम में उल्लेखनीय उपस्थिति रही।

मुनि श्री जिनेशकुमारजी "जसोल" एवं साध्वी श्री कैलाशवतीजी की सहवर्तिनी साध्वी श्री पंकजश्रीजी एवं साध्वीश्री शारदाप्रभाजी के सान्निध्य में अहिंसा के अग्रदूत श्रमण भगवान महावीर स्वामी की 2615 वीं जन्म जयंती समारोह तेरापंथ भवन, सिटीलाइट, सूरत में दिनांक 19.4.2016 को राजस्थान राज्य के गृहमंत्री श्री गुलाबचंद कटारिया की उपस्थिति में आयोजित किया गया। मुनि श्री जिनेशकुमारजी "जसोल" ने उपस्थित विशाल जन समूह को उद्‌बोधित करते हुए भगवान महावीर के सिद्धान्तों को वर्तमान में भी प्रासंगिक बताया। कार्यक्रम का शुभारंभ महिला मंडल, सूरत द्वारा मंगलाचरण से हुआ। साध्वी श्री पंकजश्रीजी, साध्वी श्री शारदाप्रभाजी, श्री गुलाबचंद कटारिया, सभा अध्यक्ष श्री मीठालाल नान्द्रेचा एवं अन्य कई वक्ताओं ने प्रासंगिक वक्तव्य दिये। आभार ज्ञापन सभा उपाध्यक्ष श्री गौतम चौपड़ा ने किया। कुशल संचालन मुनि श्री परमानन्दजी ने किया।

आचार्य महाप्रज्ञ महाप्रयाण दिवस

तेरापंथ धर्म संघ के दशमाधिशास्ता आचार्य श्री महाप्रज्ञजी का 7 वां महाप्रयाण दिवस साध्वी श्री कैलाशवतीजी के सान्निध्य में तेरापंथ भवन उधना में दिनांक 03.05.2016 को आयोजित हुआ।

साध्वी श्री ने इस अवसर पर उपस्थित सूरत-उधना के विशाल जन समूह को सम्बोधित करते हुए आचार्य महाप्रज्ञ को सहज, सरल, विनम्र, योगी पुरुष बतलाया। इस अवसर पर साध्वी श्री कैलासवतीजी की सहवर्तिनी साध्वी वृंद विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी सूरत व उधना कन्यामंडल की बहिनों तथा सूरत सभा के अध्यक्ष एवं मंत्री ने उस दिव्य आत्मा को भावांजलि देते हुए आध्यात्मिक विकास की कामना की।

अक्षय तृतीया

साध्वी श्री कैलाशवतीजी के सान्निध्य में अक्षय तृतीया का कार्यक्रम तेरापंथ भवन, उधना में दि. 09.05.2016 को आयोजित हुआ। जिसमें 1 भाई तथा 14 बहिनों कुल 15 तपस्वीयों को वर्षी तप के पारणे करवाये गये। तपस्वीयों का प्रशस्ती पत्र व पुस्तक द्वारा स्वागत अभिनंदन किया गया। साध्वी श्री कैलाशवतीजी ने तपस्वीयों के प्रति मंगलकामना की एवं अक्षय तृतीया के महत्त्व को उपस्थित विशाल जन मेदनी के समक्ष उजागर किया। तपस्वीयों ने इक्षुरस साध्वीश्रीजी को वोहरा कर विभिन्न सभाओं के पदाधिकारियों की उपस्थिति में 13 महीने 10 दिन की लम्बी तपस्या का समापन पारणा कर हर्षोल्लास के वातावरण में किया।

पारणार्थी तपस्वीयों के नाम इस प्रकार है : – श्री महेशभाई नाणावटी (18 वाँ), श्रीमती सुशीलादेवी चांदमल माण्डोत (19 वाँ), श्रीमती कमला देवी गणपतलाल कटारिया (16 वाँ), श्रीमती विमलादेवी सुराणा (10 वाँ), श्रीमती गुलाब बाई बोथरा (छड्डा), श्रीमती सोसरबाई गन्ना (5 वाँ), श्रीमती मंजूदेवी मालू (5 वाँ), श्रीमती बदामीदेवी शेषमल टोकरावत (5 वाँ),श्रीमती इन्द्राबाई गन्ना (चौथा), श्रीमती यशोदाबाई बागरेचा, श्रीमती कमलाबाई कावड़िया, श्रीमती प्रितीबेन भरतकुमार मेहता, श्रीमती गिन्नी देवी विजयसिंह चोरड़िया, श्रीमती लहेरीदेवी पोखरणा, श्रीमती मंजूदेवी गोलछा। कई तपस्वीयों ने आगामी वर्ष के लिए तप प्रारंभ करने का संकल्प साध्वी श्री कैलाशवतीजी के समक्ष किया।

श्री हितेष संघवी ने वर्षी तप का पारणा अड्डाई तप के पश्चात् किया। सभी तपस्वीयों के प्रति मंगलकामना। आप सभी तपस्या के क्षेत्र में सदैव संलग्न रहकर कर्म निर्जरा करते रहे।

मुख्यमंत्री सम्मान

गुजरात प्रदेश की गतिशील सरकार ने जैन समाज को लघुमति दरज्जा देने की घोषणा की। अत: गुजरात के विविध जैन सम्प्रदाय के अग्रणीयों ने कर्मठ मुख्यमंत्री श्रीमती आनंदी बेन पटेल का सम्मान करने का निर्णय लिया। दि. 10.05.2016 को मध्याह्न 1.30 बजे गांधीनगर सचिवालय में आयोजित कार्यक्रम में सूरत सभा का प्रतिनिधित्व सभा मंत्री श्री विनोद कोचर सभा कार्य समिति सदस्य एवं ते.यु.प. सूरत अध्यक्ष श्री रमेश बोथरा, पूर्व अध्यक्ष श्री बालचंद बेताला, मीडिया प्रभारी श्री अर्जुन मेड़तवाल ने किया। मुख्यमंत्री का अभिनंदन संघीय साहित्य भेंट कर किया गया। कार्यक्रम का सफल संयोजन सूरत के युवा विधायक श्री हर्ष संघवी ने किया।

साध्वी श्री कैलाशवतीजी का सूरत प्रवेश

साध्वी श्री कैलाशवतीजी एवं सहवर्तिनी साध्वियों ने दि. 12.05 2016 को प्रात: 6.30 बजे तेरापंथ भवन, उधना से सूरत सीमा में प्रवेश हेतु प्रस्थान किया। विहार मार्ग में सूरत–उधना समाज के श्रावकों की उल्लेखनीय उपस्थिति थी। सूरत सभा के मेनेजिंग ट्रस्टी, सभा अध्यक्ष, मंत्री, महिला मंडल तथा युवक परिषद्, सूरत के पदाधिकारी एवं श्रावकों की उपस्थिति में उधना सभा के मंत्री ने सोसीयो सर्कल के पास ध्वज हस्तांतरण कर दायित्व हस्तांतरण सूरत सभा को किया। तत्पश्चात साध्वीश्रीजी मेनेजिंग ट्रस्टी श्री बाबुलाल भोगर के निवास स्थान पर पधारे।

अणुव्रत दिवस

साध्वी श्री साधनाश्रीजी के सान्निध्य में दिनांक 13.11.2015 को धर्मसंघ के नवम् आचार्य गणाधिपति गुरुदेव श्री तुलसी का 102 वाँ जन्म दिवस अणुव्रत दिवस के रूप में आयोजित किया गया। साध्वीश्रीजी ने आचार्य श्री तुलसी के अवदानों, कार्यों एवं उनके विराट व्यक्तित्व के बारे में उपस्थित विशाल जन समूह को अवगत कराया।

आचार्य प्रवर का जन्म दिवस एवं पट्टोत्सव

साध्वी श्री कैलाशवतीजी के सान्निध्य में रविवार दि. 15.05.2016 को आचार्य श्री महाश्रमणजी का 55 वाँ जन्म दिवस तथा 7 वाँ पदाभिषेक दिवस मेनेजिंग ट्रस्टी श्री बाबुलाल भोगर के निवास स्थान पर आयोजित हुआ। खचाखच भरे पंडाल में कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलाचरण द्वारा महिला मंडल की बहिनों ने किया। सभी साध्वी वृंद, महिला मंडल मंत्री श्रीमती शिल्पा मादरेचा, उधना सभा अध्यक्ष श्री मोहनलाल पोरवाल, उपासक श्री कांतीभाई मेहता, सभा मंत्री श्री विनोद कोचर एवं अन्य कई वक्ताओं ने अपनी भावनाएं सदन के समक्ष रखी। सभी ने आचार्यवर के प्रति बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित की और संघ पुरुष स्वस्थ रहते हुए हम सभी का पथ दर्शन युगों–युगों तक

करते रहे। हमारी संघ निष्ठा, गुरु निष्ठा वृद्धिंगत होती रहे और हम आपकी निश्रा में अपने व्यक्तित्व का विकास करते रहे, ऐसी कामना व्यक्त की। कार्यक्रम का कुशल संचालन साध्वी श्री शारदाप्रभाजी ने किया। आभार ज्ञापन मेनेजिंग ट्रस्टी श्री बाबुलाल भोगर ने किया।

युवा दिवस

तेरापंथ धर्मसंघ के एकादशम अधिशास्ता आचार्य श्री महाश्रमणजी का 43 वाँ दीक्षा दिवस युवा दिवस के रूप में साध्वी श्री कैलाशवतीजी के सान्निध्य में भटार रोड स्थित जय अम्बे सोसायटी में दि. 20.05.2016 को मनाया गया। श्रावकों की उल्लेखनीय उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम में साध्वी श्री ने युवा शक्ति के मूर्तरूप आचार्य श्री को दीक्षा दिवस पर अनेकानेक शुभकामनाएँ प्रेषित की। कार्यक्रम का कुशल संचालन साध्वी श्री पंकजश्रीजी ने किया।

संस्कार निर्माण शिविर

श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा के द्वारा संपूर्ण भारत वर्ष में चार संस्कार निर्माण शिविर दि. 21.05.2015 से 25.05.2015 की आयोजना की गई। कोबा (अहमदाबाद) में 12 से 18 साल के बालकों के लिए आयोजित शिविर में सूरत सभा ने सहभागिता दर्ज कराते हुए 8 बच्चों को शिविर में भेजा गया।

तेरापंथ भवन नवीनीकरण

संपूर्ण तेरापंथ समाज को जिस भवन की बनावट व सौंदर्यकरण पर गौरव है ऐसे सूरत समाज द्धारा निर्मित तेरापंथ भवन, सीटीलाइट के मैत्री एवं शुभम हॉल में नवीनीकरण का कार्य मेनेजींग ट्रस्टी श्री बाबूलाल जी भोगर के मार्गदर्शन में प्रगति पर हैं। मैत्री हॉल में फर्श व किचन में कार्य संपन्न कर लिया गया है। शुभम हॉल में कमरों का नवीनीकरण का कार्य प्रगति पर हैं।

ट्रस्ट बोर्ड द्वारा लिए गए निर्णयानुसार तेरापंथ भवन सीटीलाइट के मैत्री व शुभम हॉल के किरायों में सभी तेरापंथी व्यक्तियों को 40% की विशेष छुट दी जाएगी।

जैन विद्या दिवस

जैन विश्व भारती लाडनूँ के निर्देशानुसार जैन विद्या दिवस 3 अगस्त 2015 से 9 अगस्त 2015 समायोजित हुआ।

शताब्दी अक्षय निधि कोष

महासभा शताब्दी वर्ष एवं आचार्य तुलसी जन्म शताब्दी के पावन प्रसंग पर महासभा की आर्थिक सुदृढता हेतु शताब्दी अक्षय निधि कोष की स्थापना करने का निर्णय लिया।

इसकी स्थापना का मुख्य उद्देश्य समाज के सभी सदस्यों से संपर्क कर उन्हें संघीय गतिविधियों से अवगत कराना एवं पूज्य प्रवरों के महान अवदानों से लाभान्वित कराते हुए मुख्य धारा से जोड़ना एवं संस्था के सुदृढ़ीकरण मे सहभागिता हेतु प्रेरित करना है। इसका मूल लक्ष्य समाज के प्रत्येक सदस्य की इस महान उपक्रम मे सहभागिता है। इसके लक्ष्यों का निर्धारण निम्न प्रकार से किया गया।

- शताब्दी अक्षय निधि कोष की स्थापना का उद्देश्य है कि कोष को अक्षुण्ण रखते हुए इसकी आय से संस्था की जरूरतों के साथ- साथ सामाजिक अपेक्षाओं की सम्पूर्ति की जाए।
- इस कोष मे अंशदान करके तेरापंथ समाज के प्रत्येक सदस्य के मन में दायित्व बोध का भाव विकसित होगा और सामाजिक व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण में सहभागिता करके आप सभी को गौरव की अनुभूति होगी।
- एक रूपता एवं सुव्यवस्था की दृष्टि से प्रति सदस्य सहयोग राशि ग्यारह हजार प्रस्तावित है परन्तु अनुदानदाता अपनी भावना के अनुरूप अधिक या कम राशि का भी योगदान कर सकते हैं।
- अनुदानदाता अपने पूर्वजों की स्मृति को चिरस्थायी बनाने हेतु इस कोष में उनके नाम से भी सहभागिता कर उनका नामोल्लेख करवा सकते है।
- तेरापंथ समाज की भावी पीढ़ी को प्रेरणा देने के उद्देश्य से जैन विश्व भारती के परिसर में किसी प्रमुख स्थान पर महासभा के संक्षिप्त इतिहास के साथ सभी दानदाताओं के नाम समाविष्ट कर एक विशाल ग्रन्थ का निर्माण प्रस्तावित है। इसे उपयुक्त रूप से प्रदर्शित किया जाएगा, साथ ही एक इलेक्ट्रोनिक कियोस्क का भी निर्माण किया जाएगा, जिसके बटन को दबाकर कोई भी व्यक्ति अनुदानदाताओं की सूची देख सकेंगे। यह समाज की भावी पीढ़ी के लिए प्रेरणा का महान स्रोत बनेगा।
- शताब्दी अक्षय निधि कोष के अनुदानदाताओं का नाम एवं विवरण महासभा में अमिट रूप से अंकित रहे इस हेतु एक ग्रन्थ का प्रकाशन

पांच खंडों में प्रस्तावित है। प्रत्येक खंड में महासभा के संक्षिप्त इतिहास के साथ दस हजार अनुदानदाताओं का विवरण के साथ नामोल्लेख रहेगा।

सूरत सभा ने इस कोष में 108 नाम वर्ष 2015-16 में देने की घोषणा सभा प्रतिनिधि सम्मेलन में की थी। जिसे उत्साही श्रावकों के सहयोग से पूर्ण कर लिया गया है। सभी अनुदान दाताओं के प्रति आभार।

सहभागिता

तेरापंथ युवक परिषद्

- तेयुप अध्यक्ष श्री सुरेन्द्र (रमेश) बोथरा के नेतृत्व में नव गठित टीम की शपथ ग्रहण दि.19.7.2015
- मंत्र दीक्षा दि. 02.08.2015
- अभिनव सामायिक दि. 16.08.2015
- जैन विद्या कार्यशाला दि. 10.08.2015 से 24.08.2015
- शैक्षणिक प्रतिभा सम्मान समारोह दि. 30.08.2015
- प्रेक्षा ध्यान व योग शिविर दि. 17 से 20 अक्टुबर 2015
- रंगोत्सव दि. 20.12.2015
- जैन विश्व भारती रजत जयंति समारोह दि. 10.1.2016
- होली स्नेह मिलन दि. 23.03.2016

तेरापंथ महिला मंडल

- तेरापंथ महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती पूनम गुजरानी के नेतृत्व में गठित टीम की शपथ विधि दि. 10.08.2015
- महिला मंडल द्वारा आयोजित दंपति शिविर दि. 23.8.2015
- पी.एल.एस. क्लास दि. 19.11.15 से 26.11.15
- होली स्नेह मिलन समारोह एवं नारी सशक्तिकरण सिम्पोजियम सेमीनार दि. 3.3.2016

तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम

- जैन सम्प्रदाय को मिले अल्प संख्यक दरज्जे से प्राप्त लाभों के विषय पर आयोजित सेमिनार दि. 5.9.2015
- पेरेन्टींग सेमीनार

अणुव्रत समिति, सूरत-उधना

- अणुव्रत उद्बोधन सप्ताह 26.09.2015 से 02.10.2015
- अणुव्रत गीत प्रतियोगिता दि. 19.08.2015

श्रद्धा प्रणति - विनम्र आभार

"संघ आपणो प्राण संघ ही कालजे री कौर, संघ से बड़ा न कोई और"

हम सौभाग्यशाली है कि हमें तेरापंथ धर्मसंघ मिला। आचार्य भिक्षु से लेकर आचार्य महाश्रमणजी तक एक से बढ़कर एक आचार्यों का मार्गदर्शन मिला। पूज्यवरों द्वारा प्रदत्त कृपा दृष्टि ऊर्जा एवं मंगल आशीर्वाद से ही सभा द्वारा संचालित कार्यक्रमों की सफलता प्राप्त हो सकी। परम कृपालु युवाशक्ति के मूर्तरूप आचार्य श्री महाश्रमणजी से प्राप्त स्नेहिल आशीर्वाद व दृष्टि के लिए आपके श्री चरणों में अभिभूत हृदय से वंदन करता हूँ।

संघ महा निर्देशिका, मातृ हृदया साध्वी प्रमुखा श्री कनकप्रभाजी एवं आदरणीय मंत्री मुनिवरम् श्री सुमेरमलजी स्वामी "लाडनूँ" के सुपावन चरणों में श्रद्धासिक्त नमन। संघ समर्पित तेरापंथ धर्मसंघ के सकल साधु-साध्वियों को कोटिशः नमन।

पूज्य प्रवर ने महत्ती कृपा कर साध्वी श्री साधनाश्रीजी, साध्वी श्री विमलप्रभाजी, साध्वी श्री सन्मतिश्रीजी एवं साध्वी श्री जागृतयशाजी का पावन प्रवास सूरत को बक्षाया। आप सभी साध्वियों से प्राप्त प्रेरणा, प्रोत्साहन एवं मौलिक चिंतन ने मुझे हमेशा सचेत रखा। सभी साध्वियों के प्रति समर्पण भाव से कृतज्ञता।

कामरेज में प्रवासित मुनि श्री सुव्रतकुमारजी एवं सहवर्ती मुनिश्री तथा उधना में प्रवासित साध्वी श्री कैलाशवतीजी एवं सहवर्ती साध्वी वृंद के प्रति हृदय की अनंत गहराइयों से कृतज्ञता।

अहमदाबाद चातुर्मास परिसंपन्न कर लातुर की तरफ विहाररत साध्वी श्री लब्धिश्रीजी एवं सहवर्ती साध्वीवृंद तथा गांधीधाम चातुर्मास परिसंपन्न कर शहादा (महाराष्ट्र) की तरफ विहाररत मुनि श्री जिनेशकुमारजी एवं मुनि श्री परमानंदजी द्वारा प्राप्त प्रेरणा एवं मार्गदर्शन हेतु कृतज्ञता। साध्वी श्री कनकश्रीजी तथा सहवर्ती साध्वियों का प्रवास सूरत तेरापंथ भवन में हुआ। आपसे प्राप्त दिशा निर्देश हेतु कृतज्ञता।

मैं परम सौभाग्यशाली हूँ कि सभा की कार्य समिति में प्रवेश के प्रथम वर्ष ही समाज ने मुझे मंत्री पद का दायित्व सौंपा। इस अवसर पर में हार्दिक कृतज्ञता ज्ञापित करता हूँ। तन-मन-धन से संघ को समर्पित हमारे कर्मठ अध्यक्ष श्री मीठालालजी नान्द्रेचा के प्रति जिनसे निरंतर मार्गदर्शन मिलता रहा। उपाध्यक्ष श्री गौतम चौपड़ा, सहमंत्री श्री श्यामलाल पूनमिया, कोषाध्यक्ष श्री राकेश चोरड़िया से प्रत्येक कार्य में सूझ-बूझ पूर्ण मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होता रहा। आप सभी के प्रति हार्दिक आभार।

कुशल मैनेजिंग ट्रस्टी श्री बाबुलाल भोगर, सह मैनेजिंग ट्रस्टी श्री भारतभूषण जैन का पूर्ण सहयोग एवं मार्गदर्शन प्राप्त होता रहा। आपके प्रति आभार। सामुदायिक, सामाजिक जीवन में एक अकेला-व्यक्ति कुछ खास कार्य नहीं कर सकता। सभा की कार्यसमिति तथा विभिन्न समितियों के सदस्यों व प्रभारियों का उत्साह, उनकी सहयोगवृति, सकारात्मक सोच एवं चिंतन वर्ष दरम्यान निरंतर प्राप्त होता रहा। आप सभी के प्रति हार्दिक आभार।

सूरत तेरापंथ समाज के नींव के पत्थर एवं समाज के हित चिंतक श्री शैलेष भाई झवेरी, श्री जसकरणजी चोपड़ा, श्री चंपकभाई मेहता, श्री राजूभाई कोठारी, श्री सुवालालजी बोल्या, श्री बालूभाई पटेल, श्री विनोदजी बांठिया, श्री किशनलालजी मादरेचा, श्री प्रविणभाई मेहता, श्री रूपचंदजी सेठिया, डॉ. निर्मल चोरड़िया, श्री अंकेशभाई दोशी, श्री कांतिभाई मेहता, श्री माणकचंद डागा, श्री बालचंद बेताला, श्री गणपत भंसाली, श्रीमती कनक बरमेचा, श्रीमती मधु देरासरिया, श्री नवनीत नान्द्रेचा, डॉ. कान्ता भूतरा, डॉ. रमेश जैन का समय-समय पर मार्गदर्शन एवं आत्मीय सहयोग मेरा पथ प्रशस्त करते रहे। हार्दिक आभार। महासभा के पूर्व अध्यक्ष श्री कमलजी दुगड़, पूर्व मंत्री श्री विनोद बैद एवं नव चयनित अध्यक्ष श्री किशनलाल डागलिया, महामंत्री श्री प्रफुल्ल बेताला तथा उनकी टीम में समाविष्ट गुजरात प्रभारी श्री लक्ष्मीलाल बाफना, कार्य समिति सदस्य श्री मीठालाल भोगर, श्री फुलचंद छत्रावत, श्री अनिल चंडालिया द्वारा प्रदत्त मार्गदर्शन हेतु आभार।

ते.म.मं. अध्यक्षा श्रीमती पूनम गुजरानी, मंत्री श्रीमती शिल्पा मादरेचा, तेयुप अध्यक्ष श्री रमेश बोथरा, मंत्री श्री पवन फुलफगर, अणुव्रत समिति के अध्यक्ष श्री जयंतिभाई कोठारी, मंत्री श्री अशोक परमार, जीवन विज्ञान अकादमी की अध्यक्षा श्रीमती अलका सांखला, मंत्री श्री सुशील सुराणा, टी.पी.एफ. अध्यक्ष श्री मनोज बरमेचा, मंत्री श्रीमती मेघना सुराणा, उधना सभा के अध्यक्ष श्री मोहनलाल पोरवाल, मंत्री श्री बसंतीलाल नाहर, ज्ञानशाला के प्रभारी श्री हरिश कावड़िया, ज्ञानशाला के प्रशिक्षकगण एवं कार्यकर्त्ता ज्ञानशाला संचालन में सहयोगी श्री विक्रम महेन्द्रजी बरमेचा (ओसवाल), सभी संस्थाओं के पदाधिकारीगण, कार्यकारिणी सदस्यों से मिले सहयोग के प्रति हार्दिक आभार। आर्थिक सहयोगियों के प्रति सादर आभार।

सभा के समर्पित व कर्मठ स्टाफ श्री भरतभाई शाह, श्री राकेश जोशी, श्री प्रमोद दुबे, श्री योगेश बोथरा, श्री संजय सिंह, श्री संतलाल सिंह द्वारा प्राप्त सहयोग के प्रति हार्दिक धन्यवाद एवं आभार ज्ञापित करता हूँ।

जिनकी प्रेरणा व उत्साहवर्धन से में इस मुकाम पर पहुँचा ऐसे मेरे स्व. पिताजी श्री श्रीचंदजी एवं सेवाभावी ममतामयी मेरी स्व. माताजी मोहनी देवी द्वारा दिए गये बचपन के संस्कार, वात्सल्य एवं प्रोत्साहन ने मुझे अपने कार्यों में गति प्रदान करने में सहयोग किया मैं उन्हें इस मंच से बारंबार वंदन करता हूँ। संघीय दायित्व निर्वहन करने में पूर्ण रूप से प्रोत्साहन एवं सहयोग करते रहने वाले मेरे तीनों लघु भ्राता श्री राजेन्द्र, श्री धनपत, श्री नरपत मेरी धर्मपत्नि श्रीमती सुमन एवं परिवार के सदस्यों के प्रति हार्दिक धन्यवाद, साधुवाद।

उपरोक्त सभी महानुभावों एवम् ज्ञात अज्ञात अनेक व्यक्तियों ने सभा की गतिविधियों के संचालन में जागरुकता से सहयोग किया एवं मेरे प्रत्येक कार्य में सहयोगी बने उन सभी को हार्दिक साधुवाद देता हूँ और आशा करता हूँ कि सूरत सभा को आप सबका सक्रिय सहयोग एवं मार्गदर्शन निरंतर मिलता रहेगा।

मेरे कार्यकाल की सम्पन्नता पर वर्ष दरम्यान हुई किसी भी प्रकार की भूल के लिए सरलमना ऋजुमना सभी से क्षमायाचना करता हूँ। मैं इस अवसर पर मंगल कामना करता हूँ कि तेरापंथ धर्मसंघ की प्रत्येक इकाई एकादशम अधिशास्ता आचार्य श्री महाश्रमणजी के सबल नेतृत्व में कर्तव्य मार्ग पर आगे बढ़ती हुई विकास की नई ऊँचाई पर पहुंचे। सभी के प्रति पुन: हार्दिक धन्यवाद एवं आभार।

ॐ अर्हम्।

विनित

(विनोद कुमार कोचर)
मंत्री

चार्तुमासिक मंगलप्रवेश 2016

साध्वी श्री कैलासवतीजी ठाणा-5 का तेरापंथ भवन सिटीलाइट में चार्तुमासिक मंगल प्रवेश दिनांक 06.07.2016, **बुधवार को होगा।**

साध्वी श्री निर्वाणश्रीजी ठाणा-6 का तेरापंथ भवन, उधना में चार्तुमासिक मंगल प्रवेश दिनांक 10.07.2016**, रविवार को होगा।**

श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, सूरत के तीनों श्रेणी के सदस्यों के आई कार्ड बन चूके है। जिन्होंने भी आई कार्ड नहीं लिया हो वह सभा कार्यालय से ले लेवें।